A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 25 अक्टूबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-57 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

चुनौतियों के बावजूद संघ विचारधारा को अब दुनिया अपना रही है

मीनाक्षी लेखी

सभी समुदाय अपने स्वयंसेवी संगठनों का समर्थन करते हैं, जो गरीबों के उत्थान, उनकी फिलॉसफी और सामाजिक कार्य करने के लिए काम करते हैं। हिंदू धर्म, उपरोक्त सभी धर्मों और समाज की सेवा की गतिविधियों में लगे व्यक्तियों से पहले से ही मौजूद होने के बावजूद, इस तरह के सहयोग और समन्वय के लिए समान मंच नहीं था, जब तक कि 1925 में नागपुर में एक महाराष्ट्रीयन डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शुरुआत नहीं की गई।

स्वयंसेवक का मतलब निस्वार्थ कार्यकर्ता होता है और आरएसएस के पीछे का विचार हिंदू तरीके से समाज की निस्वार्थ सेवा करना था। संस्थापक ने 'हिंदू समाज की नींव को मजबूत करने और इसे सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, दार्शनिक और राजनीतिक स्तरों पर चुनौतियों के लिए तैयार करने की ज़रूरत का अनुमान लगाया।' आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। पक्षपाती व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे दुर्भावनापूर्ण अभियानों से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद इसने वर्षों से अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है। आरएसएस की स्थापना राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं, जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थीं, उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज़ खो रही थीं। स्वतंत्रता-पूर्व भारत में मुसलमान, देश के बाकी हिस्सों के समान वंश और डीएनए और जातीयता होने के बावजूद, आश्वस्त थे कि खिलाफत आंदोलन उनके हितों का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है। यह ब्रिटिश साम्राज्यवादी दर्शन के विभाजन और शासन के अनुकूल था।

आरएसएस ने एक राष्ट्रवादी आंदोलन के तत्वावधान में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने का प्रयास किया और यह उन अभिजात्य लोगों को बहुत पसंद नहीं आया, जो अपनी सांस्कृतिक पहचान को त्याग कर अपनी विदेशी शिक्षा और पश्चिमी मूल्यों के संपर्क में पश्चिम की नकल करने के पक्ष में थे। अपनी समृद्ध विरासत से मुंह मोड़ते हुए उन्हें यकीन दिलाया गया कि भारतीय मूल्य आदिम और पिछड़े हैं और देश को केवल हिंदू जीवन शैली की निंदा करके ही बचाया जा सकता है। हिंदू राष्ट्रवादी विनायक दामोदर सावरकर ने तर्क दिया कि सांस्कृतिक रूप से, इस गौरवशाली प्राचीन धरती के सभी निवासी एक ही सांस्कृतिक पहचान और वंश के हैं। उन्होंने 'हिंदुत्व' की विचारधारा को बढ़ावा दिया, जिसका अर्थ है हिंद (सिंधु नदी के पार की ज़मीन) के लोग। इस विचारधारा का उद्देश्य जाति, पंथ, रंग या धर्म के आधार पर भेदभाव किए बिना, सांस्कृतिक रूप से जुड़े इन सभी लोगों को एकजुट करना था। आरएसएस की नींव वैदिक परंपराओं से प्रेरित अनुशासन और समर्पण में निहित है। 1925 में नागपुर में पहली शाखा स्थापित होने के बाद पूरे देश में शाखाएं बनाई गईं। उन्होंने युवाओं को एक 'असेंबली' प्रकार की सभा में इकट्ठा करके अनुशासन को बढ़ावा दिया, जहां वह स्वदेशी खेलों में शामिल हुए, सूर्य नमस्कार के माध्यम से योग किया, प्रवचन (विद्वान लोगों द्वारा सकारात्मक प्रवचन) सुने और फिर राष्ट्रगीत या स्वयंसेवक गान गाया, जो सभी स्कूलों या शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित 'सुबह की सभा' की प्रणाली के समान था।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी चर्चा होती थी, जिससे 'स्वयंसेवकों' को समसामयिक मामलों और राजनीति से परिचित होने का अवसर मिलता था। बैठकें भारत माता की जय या मातृभूमि की जय के एक गूंजते गैर-सांप्रदायिक नारे के साथ समाप्त होती थीं।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पश्चिमीकृत अभिजात्य नेता अंग्रेज़ों के साथ घुलने-मिलने और अपने स्वयं के इतिहास का तिरस्कार करने में व्यस्त थे। पश्चिमी मीडिया ने आरएसएस विरोधी बयानबाजी को बढ़ावा दिया, उन्हें गाय की पूजा करने वाले, धूप सेंकने वाले विधर्मियों के रूप में चित्रित किया, वही विचारधाराएं अब पश्चिम में आवाज़ उठा रही हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में आरएसएस को बहुत अधिक राष्ट्रवादी होने के लिए दंडित किया गया। नवजात संगठन होने और इसके सदस्यों में मुख्य रूप से मध्यम वर्ग के हिंदू शामिल होने के कारण, आरएसएस के पास कभी भी अपने खिलाफ स्थापित किए गए नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए वित्तीय साधन नहीं थे।

आरएसएस की स्थापना इस प्राचीन धरती के इतिहास और भौगोलिक सीमाओं के आधार पर एक सांस्कृतिक ध्वज के तहत राष्ट्र और भारत के लोगों को एकजुट करने के लिए की गई थी। इसका उद्देश्य देशभक्ति को बढ़ावा देना और अपनी परंपराओं में खुद को स्थापित करते हुए अपनी चिरकालिक मान्यताओं पर गर्व की गहरी भावना को बढ़ावा देना था। आरएसएस की स्थापना के सौ बरस बाद, हेडगेवार की बात सही साबित हुई है क्योंकि आज दुनिया हिंदू धर्म के सिद्धांतों को एक मूल्यवान संसाधन के रूप में स्वीकार करती है और पश्चिम के लोग भारत के दर्शन को अपना रहे हैं। योग हमारा सबसे बड़ा निर्यात है और लैटिन अमेरिका, कनाडा, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के दूर-दराज के कोनों में योग दिवस मनाया जाना उत्साहजनक है। हिंदू दिव्य मंत्र 'ऊँ' का आदिम ध्वनि के रूप में उच्चारण दुनिया भर में गूंज रहा है। यह सुझाव दिया गया है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया को भारत की खान-पान की आदतों को अपनाना चाहिए।

जैसा कि हम देखते हैं कि आधुनिक समय के मूल्य हमारे समाज को किस तरह से प्रभावित कर रहे हैं, आरएसएस की विचारधाराएं और भी अधिक मूल्यवान हैं। हमारे समाज का ताना-बाना नशीली दवाओं, प्रदर्शनवाद, ताक-झांक, पोर्न - सभी सामाजिक बीमारियों से छिन्न-भिन्न हो रहा है, जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही हैं। आरएसएस के अनुशासन को अपनाना और भी ज़रूरी हो गया है। शाखाओं में भारतीय मूल्यों को शामिल किया जाता है और युवाओं को भारतीय संस्कृति से परिचित कराया जाता है।

संघ कई अलग-अलग सामाजिक गतिविधियों में लगा हुआ है। आरएसएस आज एक लाख से ज़्यादा प्रकल्प चलाता है। इन प्रकल्पों के तहत स्वच्छता से लेकर जलवायु परिवर्तन, शिक्षा से लेकर सशक्तिकरण और स्वास्थ्य से लेकर पानी तक के काम किए जा सकते हैं। ये सभी प्रकल्प स्वैच्छिक सेवाएं हैं और ऐसी गतिविधियों को समर्थन देने के लिए समुदाय की मज़बूत स्वयंसेवी भावना है।

इन सभी प्रकल्पों या सेवा गतिविधियों में महिलाओं की मौजूदगी के अलावा आरएसएस की एक बहुत मजबूत महिला शाखा भी है। राष्ट्र सेविका समिति के अंतर्गत महिलाओं को अलग से संगठित किया गया है, जिसका अपना कार्य क्षेत्र है, परिवार प्रबोधन से लेकर मेधावी सिंधु सृजन तक। जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां स्वयंसेवक या सेविकाएं मौजूद न हों और इसलिए यह कहना उचित ही है कि वह जीवन के सभी क्षेत्रों में सेवा और कार्य करके मां भारती की सेवा कर रहे हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

नक्श की तरह उभरना भी
तुम्ही से सीखा
रफ़्ता रफ़्ता नज़र आना भी
तुम्ही से सीखा
तुम से हासिल हुआ इक
गहरे समुंदर का सुकूत
और हर मौज से लड़ना भी
तुम्ही से सीखा
अच्छे शेरों की परख तुम ने ही
सिखलाई मुझे
अपने अंदाज़ से कहना भी
तुम्ही से सीखा
तुम ने समझाए मिरी
सोच को आदाब अदब
लफ़्ज़ ओ मअनी से
उलझना भी तुम्ही से सीखा
रिश्ता-ए-नाज़ को जाना
भी तो तुम से जाना
जामा-ए-फ़ख्र पहनना
भी तुम्ही से सीखा
छोटी सी बात पे खुश
होना मुझे आता था
पर बड़ी बात पे चुप
रहना तुम्ही से सीखा।

- ज़ेहरा निगाह

श्रीलंका में अमेरिका और इजरायल को डराने वाले आतंकी गिरफ्तार

भारत के खुफिया इनपुट से नाकाम हुआ खतरा, पुलिस ने बढ़ा दी सुरक्षा

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में इजरायली और अमेरिकी यात्रियों के संभावित खतरे की सूचना के बाद लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'अरुगम बे' क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बुधवार को अमेरिका और इजरायल ने सर्फिंग के लिए मशहूर इस इलाके से तत्काल दूर चले जाने को कहा था। श्रीलंका में अमेरिकी दूतावास ने कहा कि उसे अरुगम खाड़ी क्षेत्र में लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को निशाना बनाकर किए जाने वाले संभावित आतंकवादी हमलों के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली है। अमेरिका की चेतावनी के बाद इजरायल ने भी अपने नागरिकों को इलाके से दूर जाने को कहा। इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने अरुगम बे समेत श्रीलंका के दक्षिणी और पश्चिमी तटीय क्षेत्रों के लिए अपनी यात्रा सलाह को उच्चतम स्तर (लेवल 4) पर कर दिया।

अबकी दक्षिण भारत से अपना नया अध्यक्ष चुनेगी बीजेपी!

पार्टी ने शुरू किया मंथन, दिसंबर में हो सकता है ऐलान

अब तक दक्षिण भारत से रह चुके हैं तीन राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्षिण भारत से हो सकता है। पार्टी ने 15 दिसंबर तक नया अध्यक्ष चुनने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश संगठनों से कहा गया है कि दिसंबर के पहले हफ्ते तक अपने यहां संगठन चुनाव पूरे कर लें, ताकि राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए पार्टी की संवैधानिक जरूरतों को पूरा किया जा सके। वाजपेयी सरकार के दौरान दक्षिण भारत से तीन शख्स राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। ये हैं:बंगारू लक्ष्मण, जना कृष्णामूर्ति और वेंकैया नायडू। पीएम मोदी के दो कार्यकाल में राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर और पश्चिम भारत के रहे। फिलहाल भाजपा के दक्षिण के दिग्गज नेताओं में प्रहलाद जोशी, एल मुरुगन, जी. किशन रेड्डी, के. अन्नामलाई, के. ईश्वरप्पा, निर्मला सीतारमण शामिल हैं। हो सकता है कि पार्टी इन्हीं में से किसी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए। मौजूदा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल इसी साल जनवरी में खत्म हो चुका है। लोकसभा चुनाव के लिए जून तक विस्तार दिया गया था। जुलाई में पार्टी को नया अध्यक्ष चुनना था, लेकिन नए अध्यक्ष के चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनाव की जरूरत होती है। इसमें 6 महीने का समय लगता है। इसलिए जून में नड्डा का कार्यकाल बढ़ाया गया।

माहिम से चुनावी 'इम्तिहान' में उतरे अमित ठाकरे

● मगर महाराष्ट्र में फेल-पास उनके पापा राज ठाकरे होंगे

मुंबई (एजेंसी)। आदित्य ठाकरे के बाद ठाकरे फैमिली की तीसरी पीढ़ी का एक और सदस्य ने चुनावी राजनीति में डेब्यू किया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने अपने बेटे अमित ठाकरे को शिवसेना के गढ़ माने जाने वाले माहिम सीट से टिकट दिया है। एक्सपर्ट मानते हैं कि चुनावी इम्तिहान में अमित ठाकरे को उतारकर राज ठाकरे अपनी ताकत की आजमाइश करेंगे। शिवसेना के यूथ विंग के प्रमुख के तौर पर राज ठाकरे ने मुंबई को शिवसेना का किला बनाया था। उद्धव ठाकरे के सक्रिय होने से पहले राज ही मुंबई में पार्टी को डील करते थे। आज भी मनसे का जनाधार मुंबई में है। यह भी तय है कि अगर अमित जीत जाते हैं तो वह न सिर्फ मनसे पार्टी और राज के उत्तराधिकारी के तौर पर स्थापित हो जाएंगे। अमित ठाकरे के लिए यह चुनाव आसान नहीं होगा, क्योंकि इस सीट पर शिंदे सेना और उद्धव सेना के उम्मीदवारों से उनका मुकाबला होगा।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

54 लाख बच्चों के लिए 324 करोड़ रुपए गणवेश राशि अंतरित की जाएगी

प्रशासन अकादमी में राज्यपाल और मुख्यमंत्री करेंगे 14 शिक्षकों का सम्मान

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में 14 शिक्षकों को सम्मानित करेंगे। समारोह में निःशुल्क गणवेश योजना अंतर्गत प्रदेश के शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 54 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में करीब 324 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जायेगी। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह भी उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष का राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 25 अक्टूबर को भोपाल के आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती हॉल में प्रातः 10:30 बजे आयोजित किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय सम्मान से विभूषित सभी शिक्षकों को समारोह में सम्मान राशि 25 हजार रूपये, शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। वहीं विगत वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरूस्कार विजेता शिक्षकों को विशेष सम्मान राशि 11 हजार रूपये, शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय इंस्पायर अवॉर्ड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भिंड जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उद्योतगढ़ के कक्षा 10वीं के विद्यार्थी दीपक वर्मा को 25 हजार रूपये की विशेष सम्मान निधि राष्ट्रीय स्तर पर पाँचवे स्थान पर रहीं बालाघाट जिले के शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि लांजी की छात्रा सुश्री शिरोमणी दहीकर तथा 31वाँ स्थान प्राप्त करने वाले भोपाल जिले के कक्षा 7वीं के विद्यार्थी श्री आरूष नाग को 15-15 हज़ार रूपयों की विशेष सम्मान निधि प्रदान की जायेगी। इन विद्यार्थियों के साथ ही उनके गाइड शिक्षकों को भी सम्मानित किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय संस्था T-4 ऐजूकेशन के द्वारा नवाचार श्रेणी में विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यालय सी.एम. राइज विनोवा रतलाम के शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। राज्य स्तर की शैक्षिक संगोष्ठी से चयनित प्रथम प्रतिभागी को 11 हजार रूपये, द्वितीय प्रतिभागी को 7 हजार एवं तृतीय को 5 हजार रूपये राशि के साथ शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक भी होंगे सम्मानित- शिक्षक सम्मान समारोह में पिछले वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023 से सम्मानित प्रदेश के चयनित शिक्षकों का भी सम्मान किया जायेगा। इनमें श्रीमती सारिका घारू माध्यमिक शिक्षक शासकीय हाई स्कूल सांडिया, होशंगाबाद और रतलाम की श्रीमती सीमा अग्निहोत्री शिक्षक सीएम राइज स्कूल विनोबा हायर सेकेण्डरी स्कूल शामिल हैं।

डीएमके के भारत के नक्शे में अक्साई चीन-पीओके गायब

विवाद बढ़ने पर हटाया

बीजेपी का आरोप-स्टालिन की पार्टी देश से विश्वासघात कर रही

चेन्नई (एजेंसी)। भाजपा ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी पर देश की संप्रभुता के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया है। दरअसल डीएमके की यूथ विंग ने सोशल मीडिया पर भारत का नक्शा शेयर किया था, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन शामिल नहीं है। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद डीएमके ने इसे एक्स से हटा लिया है।

अपरकास्ट, ओबीसी और एससी का बनाया मिलाजुला संतुलन

● यूपी उपचुनाव में बीजेपी ने खेला 'आरएसएस' वाला बड़ा दांव

● आरएसएस का फीडबैक और ग्राउंड रिपोर्ट का भी लिया सहारा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में गुरुवार को वो दिन आ ही गया, जब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की तरफ से उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी गई। कुल 10 खाली सीटों में मिल्कीपुर में उपचुनाव की घोषणा नहीं हुई, मीरापुर सीट पर रालोद प्रत्याशी के लिए छोड़ दिया और सीसामऊ पर अभी भाजपा प्रत्याशी का ऐलान नहीं हुआ है। बाकी 7 सीटों पर टिकट बंटवारे में भाजपा की तरफ से जिन प्रत्याशियों का चयन किया गया है, उससे यह तो स्पष्ट है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ ही पार्टी की तरफ से ग्राउंड फीडबैक का भी अहम योगदान है। यूपी में उपचुनाव की 7 सीटों पर भाजपा ने काफी मंथन के बाद टिकट बंटवारे का ऐलान कर दिया है। इसमें अपरकास्ट के साथ ही पिछड़े और दलित वर्ग का ख्याल भी रखा गया है। भाजपा ने मुरादाबाद की कुंदरकी सीट से रामवीर सिंह ठाकुर को टिकट दिया है, जो क्षत्रिय बिरादरी से आते हैं। वहीं गाजियाबाद से संजीव शर्मा को टिकट दिया है, जो कि ब्राह्मण हैं। अलीगढ़ की खैर सुरक्षित सीट से दलित उम्मीदवार सुरेंद्र दिलेर को प्रत्याशी बनाया है। वहीं मैनपुरी की करहल सीट से अनुजेश यादव और प्रयागराज की फूलपुर सीट से दीपक पटेल को टिकट मिला है। अकबरपुर की कटेहरी सीट से धर्मराज निषाद को टिकट दिया है।

● **सामाजिक समीकरण साधने का प्रयास,वफादारों को तरजीह**- ओबीसी में भी यादव, पटेल, निषाद और मौर्य के जरिए भाजपा ने राजनीतिक लिहाज से अहम पिछड़े वर्ग के अलग-अलग वर्ग को साधने का प्रयास किया है। अभी सात सीटों पर प्रत्याशी उतारे गए हैं। मीरापुर (मुजफ्फरनगर) और सीसामऊ (कानपुर) विधानसभा सीट पर उम्मीदवार घोषित करने बाकी हैं। गौरतलब है कि बीजेपी ने गठबंधन के तहत मीरापुर विधानसभा सीट राष्ट्रीय लोकदल को दी है। रालोद तय रणनीति के तहत आखिरी समय में अपना पत्ता खोलेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी बीते दिनों में यूपी में सक्रिय हुआ।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

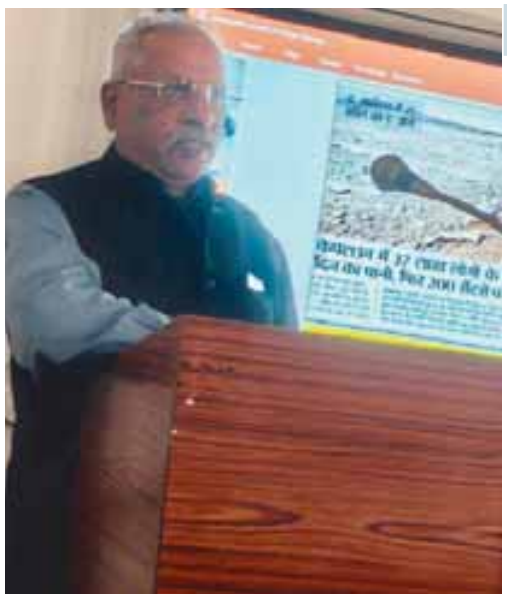

जल संरक्षण पर मेपकास्ट का सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन

2030 तक देश में जल की मांग दोगुनी हो जाएगी और वर्ष 2030 तक भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या के पास पीने का पानी उपलब्ध नहीं होगा : डॉ. वी. के. पाराशर

भोपाल। 'वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग दोगुनी हो जाएगी एवं 2025 में पूरे विश्व की एक तिहाई जनसंख्या के लिए जल संकट की समस्या होगी'। यह कहना है एम वी एम के पूर्व प्राध्यापक एवं हाइड्रोलोजिस्ट डॉ. वी. के. पाराशर का जो कि मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) द्वारा सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित एक्सपर्ट लेक्चर में बोल रहे थे।

अपने व्याख्यान में उन्होंने बताया कि भारत के 25 बड़े शहरों में जल संकट गंभीर रूप से सामने आएगा। उन्होंने बताया कि नीति आयोग द्वारा हर प्रदेश में जल प्रबंधन हेतु

कम्पोजिट वाटर मेनेजमेंट इंडेक्स बनाया गया है जिसके अंतर्गत 28 प्रकार के पैरामीटर स्थापित किया गया है जो कि जल प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने बताया कि देश के कई राज्यों में जल की गंभीर समस्या है और वर्ष 2030 तक भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या के पास पीने का पानी उपलब्ध नहीं होगा। उन्होंने बताया कि चेन्नई एवं बेंगलुरु जैसे शेरोन में एवं उनके आस पास के लगभग सभी जल स्त्रोत सूख चुके हैं। उन्होंने बताया कि विश्व का 97.2 प्रतिशत जल समुद्री है एवं केवल 2.80 प्रतिशत शुद्ध जल उपलब्ध है। भारत के पास विश्व जल स्त्रोत का 4 प्रतिशत है। भारत में जल 135 लीटर प्रति व्यक्ति है। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है एवं वाटर हार्वेस्टिंग स्यस्तेम से जल का प्रबंधन बहुत ही अच्छे तरीके से किया जा सकता है।

इस कार्यक्रम में मेपकास्ट के क्रिएटिव लर्निंग सेंटर के समन्वयक श्री पंकज गोथरा भी उपस्थित थे उन्होंने जल आधारित तकनीकी एवं प्रादर्शों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की समन्वयक इको क्लब की प्रभारी डॉ दीप्ति संकत थीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

संक्षिप्त समाचार

प्रियंका गांधी ने अपने पास बताई 12 करोड़ की संपत्ति

पति 66 करोड़ के मालिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। हलफनामा में उन्होंने 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति घोषित की है। उनके पास 4.24 करोड़ रुपए की चल और 7.74 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां है। इसके अलावा उन्होंने अपने पति रॉबर्ट वाड्रा की संपत्ति का भी ब्योरा दिया है। वाड्रा के पास कुल 65.54 करोड़ रुपए की संपत्ति है, जिसमें से चल संपत्तियां 37.9 करोड़ रुपए और अचल संपत्तियां 27.64 करोड़ रुपए की हैं।

गांदरबल हमले के आतंकी की तस्वीर आई सामने

7 लोगों की जान गई थी

गांदरबल (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में 20 अक्टूबर की देर रात आतंकी हमला हुआ था। इसमें 7 लोगों की जान गई थी। बुधवार को इस हमले में शामिल आतंकी की तस्वीर सामने आई। हाथ में एके-47 जैसी राइफल लिया हुआ आतंकी किसी

इमारत में घुसता हुआ नजर आ रहा है। आतंकी की पहचान फिलहाल सामने नहीं आई है, लेकिन इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी। टीआरएफ चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था।

भारत से जान का खतरा, अमेरिका में हुई हत्या की कोशिश

आतंकी पन्नू बोला-

3 दिन पहले पलाइट्स में ब्लास्ट की धमकी दी थी

जालंधर (एजेंसी)। सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत से जान का खतरा बताया है। कनाडाई न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उसने कहा कि अमेरिका में भारत सरकार के इशारे पर उसकी हत्या की

कोशिश की गई। पंजाबियों के लिए अलग देश मांगने पर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई, इसके बावजूद वह खालिस्तान के लिए रेफरेंडम बंद नहीं करेगा। हाल ही में अमेरिकी सरकार ने दावा किया था कि पन्नू की हत्या की साजिश में हरियाणा के रेवाड़ी का युवक विकास यादव भी शामिल है।

यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे बसेगा नया शहर, तैयारी पूरी

एनसीआर के जिलों को होगा बड़ा फायदा, योगी सरकार का बड़ा प्लान

नोएडा (एजेंसी)। अगर आप एनसीआर में रहते हैं तो आपके लिए बड़ी खबर है। यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे योगी सरकार एक नया शहर बसाने जा रही है। इस शहर को हाईटेक सिटी की तर्ज पर बताया जाएगा। इसमें लोगों के लिए ना सिर्फ सभी सुविधाओं से युक्त रिहायशी मकान बसाए जाएंगे बल्कि उद्योगों के लिए भी यहां कई सुविधाएं होंगी। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। मथुरा में राया के पास बसाए जा रहे इस शहर के लिए यमुना प्राधिकरण ने फेज-2 विस्तार के लिए राया अर्बन सेंटर के लिए मास्टर-2031 को यूपी सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। यह शहर करीब 11,653.76 हेक्टेयर में फैला होगा। यूपी सरकार राया अर्बन सेंटर यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे दोनों ओर तीन-तीन किलोमीटर में बसाने की योजना बना

रही है। मास्टर प्लान-2031 के तहत राया अर्बन सेंटर के नाम से नया शहर बसाने का प्रस्ताव शासन के पास भेजा गया था। इसे सरकार ने मंजूरी दे दी है। पहले इसे 9366.2 हेक्टेयर में बसाया जाना था लेकिन अब इसका क्षेत्र बढ़ाकर 11,653.76 हेक्टेयर कर दिया गया है।

बिहार समेत तीन राज्यों में होगा रेलवे का विस्तार

स्पेस सेक्टर के लिए 1000 करोड़ का फंड, मोदी कैबिनेट के बड़े फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट ने गुरुवार को तीन बड़े फैसले लिए। इसमें एक फैसला अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप्स से जुड़ा है। वहीं दो फैसले रेलवे प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। कैबिनेट में फैसला लिया गया कि आईएन-एसपीएसीईएस के तहत स्पेस सेक्टर के लिए 1000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड बनेगा। इस फंड से स्पेस सेक्टर में काम करने वाले स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस फंड को 5 साल में खर्च किया जाएगा। इस फंड से हर साल 150 से 250 करोड़ का इस्तेमाल किया जाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 में 150 करोड़ रुपये और इसके बाद 250-250 करोड़ इस फंड से इस्तेमाल किए जाएंगे। इस फंड से करीब 40 ऐसे स्टार्टअप्स की मदद

की जाएगी जो स्पेस में काम करेंगे। कैबिनेट में इसके अलावा और भी फैसले लिए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में रेलवे के लिए दो प्रोजेक्ट पर भी मुहर लगी। इन प्रोजेक्ट की लागत करीब 6798 करोड़ रुपये है।

पेंशनर्स ने केंद्र के समान 53 प्रतिशत डीआर मांगा

भोपाल। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने प्रमुख सचिव वित्त को बिना छग सहमति के केंद्रीय पेंशनर के समान 53 प्रतिशत महंगाई राहत की मांग की है। सक्सेना ने आरोप लगाया है कि विगत 24 वर्षों से दोनों उत्तरवर्ती राज्यों के मध्य सहमति का आदान प्रदान किया जा रहा है जबकि मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 की अनुसूची 6 में इसका कहीं उल्लेख नहीं है साथ ही महंगाई राहत के संबंध में छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2000 से दी गई सभी सहमतियों में पूर्व मध्य प्रदेश (एकीकृत) के पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों का उल्लेख किया गया है ।

सक्सेना ने बताया कि महालेखाकार द्वारा भी मध्य प्रदेश से पेंशनरी दायित्वों के प्रभाजन संबंधी सभी पत्रों में भी एकीकृत मध्य प्रदेश का उल्लेख किया जा रहा है एवं मध्य प्रदेश वित्त विभाग के परिपत्र दिनांक 30 अक्टूबर 2000 के अनुसार 73.38 प्रतिशत राशि मध्यप्रदेश शासन से वसूल की जा रही है ।

एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने बताया की अखिल भारतीय मूल्य सूचकांक आधारित वेतन/पेंशन के वास्तविक मूल्य में आई गिरावट की पूर्ति महंगाई भत्ते/महंगाई राहत के प्रतिशत का निर्धारण कर प्रति वर्ष जनवरी एवं जुलाई से भुगतान किए जाने के केंद्रीय आदेश है किंतु प्रदेश के पेंशनरों पर किस माह से कितने प्रतिशत महंगाई प्रभावशील हुई है का संवैधानिक व्यवस्था के विपरीत वित्त विभाग द्वारा अपने स्तर से आकलन करने के कारण प्रदेश के पेंशनरों को लगातार वित्तीय नुकसान हो रहा है ज्ञापन में मांग की गई है कि केंद्रीय पेंशनरों के समान गणना कर 53 प्रतिशत महंगाई राहत आदेश शीघ्र जारी कर एसोसिएशन को अवगत कराएं। ज्ञापन की प्रतिलिपि सचिव भारत सरकार गृह मंत्रालय को देते हुए मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 के संदर्भ में मध्य प्रदेश वित्त विभाग को महंगाई राहत का भुगतान करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है ।

वनमाली सृजन पीठ में संतोष चौबे का कहानी पाठ आयोजित

भोपाल। वरिष्ठ कथाकार, विश्व रंग के निदेशक एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने अपनी ताजा कहानी 'चैरी, नाना और हो ची मिन्ह' का पहला पाठ राष्ट्रीय वनमाली सृजन पीठ द्वारा आयोजित आत्मीय गोष्ठी में किया।

संतोष चौबे की यह कहानी उनकी पूर्व कहानी 'चैरी और नाना' के आगे की कहानी है। 'चैरी और नाना' में पाठकों को मालदीव के सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, राजनैतिक, और आर्थिक परिवेश से रूबरू होने होने का मौका मिलता है, वहीं 'चैरी, नाना और हो ची मिन्ह' में वियतनाम को करीब से जानने का अवसर प्राप्त होता है।

संतोष चौबे द्वारा बहुत ही प्रांजल भाषा में बुनी कथा 'चैरी, नाना और हो ची मिन्ह' में दृश्य इस कदर रचें गये है कि पाठक स्वयं की मौजूदगी वियतनाम के चिन्हित स्थानों पर पाता है। यह कहानी एक बेहतरीन ट्रैवलॉग की तरह आगे बढ़ती चली जाती है। संतोष चौबे की कहानियों का एक मजबूत पक्ष है उनमें बहुत ही रोचक और पठनीय भाषा में स्थानीय इतिहास, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, राजनैतिक परिदृश्य और सांस्कृतिक विरासत का आना। इस कहानी में भी वियतनाम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को बहुत करीने से रचा गया है। इसमें वियतनाम और भारत की प्राचीन ऐतिहासिक तथा साझा सांस्कृतिक विरासत के भी दर्शन करीब से होते हैं। उनकी इस कहानी की खासियत है कि इसमें समानांतर रूप से कई कहानियाँ एक साथ चलती है।

संतोष चौबे इस कथा में चैरी के बालमन में उपजे सवाल कथा का बड़ा वितान रचते हैं। प्रेम, करुणा और मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत यह कथा जीवन में नई उम्मीदों और संभावनाओं का वैश्विक फलक बुनती है।

राष्ट्रीय वनमाली सृजन पीठ के विमर्श कक्ष में आयोजित कथा पाठ में वरिष्ठ कथाकार मुकेश वर्मा, वनमाली सृजन केन्द्र भोपाल की अध्यक्ष डॉ. वीणा सिन्हा, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्याय, विश्व रंग सचिवालय के सचिव संजय सिंह राठौर, वनमाली कथा के संपादक, युवा कथाकार कुणाल सिंह, इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए के सह-संपादक, युवा कवि मोहन सगोरिया, वनमाली सृजन केन्द्र, भोपाल की सह-संयोजक डॉ. सावित्री सिंह परिहार, चर्चित युवा उपन्यासकार संजय सेफर्ड, युवा कवि मुदित श्रीवास्तव, सामाजिक कार्यकर्ता आशा पाठक, युवा रचनाकार वैशाली एवं रवि चौहान ने रचनात्मक भागीदारी की। अंत में आभार कार्यक्रम की समन्वयक वनमाली सृजन पीठ की राष्ट्रीय संयोजक ज्योति रघुवंशी द्वारा व्यक्त किया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामलों में बरतें सावधानी

बेगुनाहों की रक्षा करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपसे पूछा जाए कि 2-4 ऐसे कानूनों का नाम बताइए जिसका सबसे ज्यादा दुरुपयोग होता है। जवाब में दहेज उत्पीड़न से जुड़ा कानून शायद ही किसी की लिस्ट में जगह पाने से छूटे। इस कानून को पति के घरवालों और रिश्तेदारों के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। गुनाह किसी का भी हो लेकिन घर के हर बालिग सदस्य को आरोपी बना दिया जाता है। जमानत भी मुश्किल से होती है। कानून के दुरुपयोग को लेकर समय-समय पर अदालतें भी चिंता जताती रहती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे ही एक मामले में आरोपी को बरी करते हुए अदालतों को सलाह दी है कि वे दहेज उत्पीड़न या दहेज हत्या से जुड़े मामलों सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि कोई बेगुनाह परेशान न हो। अदालतें दहेज उत्पीड़न के मामलों में सावधानी बरतें।

- सुप्रीम कोर्ट का सभी अदालतों को निर्देश
- कहा-यह ध्यान रखें कि कोई बेगुनाह परेशान न हो

स्पर्श हिमालय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में संतोष चौबे होंगे विशिष्ट अतिथि

भोपाल। देहरादून के समीप ग्राम थानों में स्थापित लेखक ग्राम में स्पर्श हिमालय फाउण्डेशन द्वारा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन 25 से 27 अक्टूबर 2024 तक किया गया है। इस महोत्सव का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविद करेंगे तथा समापन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत होंगे। समापन समारोह में विश्व रंग के निदेशक एवं रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट एवं विश्व रंग सचिवालय के सचिव संजय सिंह राठौर को भी विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में देश-विदेश के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों और महानुभावों की भागीदारी रहेगी।

पंजाब विधानसभा उपचुनाव इस बार नहीं लड़ेगा एसएडी

पार्टी की वर्किंग कमेटी में हुआ फैसला, कई सालों बाद बनी स्थिति

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंथक संकट से घिरी शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) चार सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी। यह फैसला आज पार्टी की कार्यसमिति और जिला प्रधानों की बैठक में लिया गया है। करीब दो घंटे चली बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। जिसके बाद पार्टी ने चुनाव न लड़ने का फैसला किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी है। हालांकि पार्टी एसजीपीसी के प्रधान पद के लिए होने वाले चुनाव में हिस्सा लेगी। उन्होंने कहा कि हम हमेशा श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों का पालन करते हैं। 30 अगस्त को प्रधान तनखैया घोषित किए गए। 31 तारीख को वह अकाल तख्त साहिब में पेश हुए। लेकिन काफी समय बीत चुका था। कई बार सिंह साहिब से फैसला देने का आग्रह किया गया। लेकिन अब चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव है। लोग चाहते थे कि प्रधान गिद्दड़बाहा हलके से चुनाव लड़ें। लेकिन कल जैसे ही जत्थेदार साहब का आदेश आया, यह साफ हो गया कि वह प्रचार नहीं कर सकते।

पीएम-यूएसपी योजना की छात्रवृत्ति के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर 31 अक्टूबर तक हो सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग ने प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना (पीएम-यूएसपी) के अंतर्गत केन्द्रीय क्षेत्रीय छात्रवृत्ति योजना के लिए सत्र 2024-25 के आवेदन प्रक्रिया आरम्भ कर दी है। योजना में महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के पात्र विद्यार्थी, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। सत्र 2024-25 में महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे।

33 नगरीय निकायों में तैयार किया जा रहा है भू-जल प्रबंधन प्लान

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के नगरीय निकायों में भू-जल संरक्षण और प्रबंधन के लिये 33 नगरीय निकायों में भू-जल प्लान तैयार किया जा रहा है। प्रदेश के 24 नगरीय निकाय ऐसे हैं, जिन्होंने भू-जल प्रबंधन प्लान तैयार भी कर लिया है। भू-जल प्रबंधन प्लान में क्षेत्र के जल स्त्रोतों की पहचान कर उनके वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण के उपाय किये जा रहे हैं। इनमें क्षेत्र के बोरवेल, बावड़ियां, नदी, तालाब, कुंए आदि शामिल हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत पिछले दिनों आयोजित कार्यशाला में भू-जल विशेषज्ञों ने तैयार किये गये भू-जल प्रबंधन प्लान पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को जन-भागीदारी से शहरी क्षेत्रों में पौध-रोपण पर विशेष ध्यान देना होगा। वृक्ष, जल-संरक्षण के उपाय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। प्रदेश के 418 नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों ने भू-जल प्रबंधन प्लान तैयार करने पर गहन विचार-विमर्श किया।

हाथकरघा बुनकरों एवं श्रमिकों की सुरक्षा डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता : राज्यमंत्री श्री जायसवाल

भोपाल (नप्र)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रदीप जायसवाल ने कहा है कि हाथकरघा बुनकरों एवं श्रमिकों की सुरक्षा डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना हाथकरघा बुनकरों एवं श्रमिकों की मृत्यु या विकलांगता होने पर आकस्मिक बीमा कवर प्रदान करती है। इस योजना का लाभ 18 से 70 वर्ष के हितग्राही ले सकते हैं। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी विकलांगता पर 2 लाख एवं स्थायी आंशिक विकलांगता पर एक लाख रूपये का बीमा कवरेज मिलता है। योजना में सिर्फ 20 रूपये का प्रीमियम जमा होता है, जिसे भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है। वर्ष 2023-24 में 275 हाथकरघा बुनकरों एवं श्रमिकों ने योजना का लाभ उठाया है।

माखनलाल विश्वविद्यालय जल्द शुरू कर सकता है बस सुविधा

प्रबंधन कर रहा तैयारी, एसएसयूआई छात्रों ने अपनी मांगों के लिए किया था अनशन

भोपाल (नप्र)। माखन लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में दीवाली के बाद यूनिवर्सिटी अपनी बस सुविधा शुरू कर सकती है। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इस मामले में छात्रों से बस रिक्वायरमेंट को लेकर सभी विभागों से कहा है कि जो भी छात्र बस से जाना चाहते हैं वह जानकारी शेयर करें, जिसके बाद अगर छात्र संख्या सही हुई तो विश्वविद्यालय से यह बस चलाई जाएगी। बता दें कि विश्वविद्यालय में छात्रों को परीक्षा में बैठने में हो रही परेशानी, मेडिकल सर्टिफिकेट स्वीकार नहीं किए जाने और बस सुविधा को लेकर एनएसयूआई छात्र नेता तनय शर्मा के नेतृत्व में 23 अक्टूबर को छात्रों ने अनशन किया था। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने बस सुविधा के लिए जारी किया आदेश और मेडिकल सर्टिफिकेट भी स्वीकार किए जाने का आश्वासन दिया।

150 से अधिक छात्र नहीं दे पाएंगे इंटरनल एग्जाम- इस बारे में बात करते हुए एमसीयू के रजिस्ट्रार अविनाश वाजपेयी ने बताया कि छात्रों की अटेंडेंस शॉर्ट है। इस कारण करीब 150 छात्र इंटरनल एग्जाम में नहीं बैठ सकेंगे। इन छात्रों ने आगे अगर अटैंडेंस पूरी दी तो तीसरे इंटरनल में यह बैठ सकेंगे। वहीं बस के मामले में सभी छात्रों को हमने कहा है कि वह अपनी रिक्वायरमेंट बताएं तो हम बस चलाने को लेकर जल्द ही निर्णय लेंगे। इससे पहले भी हमने बस चलाई थी मगर छात्र संख्या कम होने की वजह से यह सुविधा बंद करनी पड़ी।

अभी यूनिवर्सिटी आने में छात्रों को यह आ रही परेशानियां

- नीलबड़ से यूनिवर्सिटी तक आने वाली सड़क के हाल खराब।
- छात्रों की संख्या बस के अनुसार कम होना।
- नगर निगम द्वारा संचालित बसें भी लगातार नहीं दे पा रहीं सेवाएं।
- फिलहाल रेड बसों का हो रहा संचालन।

पंच दिवसीय दीपोत्सव 29 अक्टूबर से प्रारंभ

दो अमावस्या के चलते 6 दिनों का होगा महापर्व : पंडित गौतम

भोपाल (नप्र)। वर्ष 2024 में पंच दिवसीय दीपोत्सव 29 अक्टूबर मंगलवार से प्रारंभ होगा और इस बार यह 6 दिन तक मनाया जाएगा। ज्योतिष मठ भोपाल के पंडित विनोद गौतम ने बताया कि इस वर्ष दो अमावस्या के कारण यह उत्सव विशेष महत्व रखता है।

दीपोत्सव का कार्यक्रम

- 29 अक्टूबर- धन्वंतरि जयंती के साथ ही खरीददारी का महामुहूर्त। धनवंतरी पूजा और प्रदोष व्रत का आयोजन होगा।
- 30 अक्टूबर- नरक चतुर्दशी का पर्व, जिसे छोटी दिवाली के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था।
- 31 अक्टूबर- दीपावली का पर्व।

लक्ष्मी पूजा प्रतिष्ठानों और घरों में की जाएगी।

- 1 नवंबर- अमावस्या तिथि, स्नानदान और पितृ कार्य के लिए फलदायी।
- 2 नवंबर-अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, और बलि पूजा का आयोजन।
- 3 नवंबर- भाई दूज का त्योहार, जिसमें चित्रगुप्त पूजा की जाएगी।

ज्योतिष मठ भोपाल के ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम ने बताया कि अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को उपराह्न 2.42 दिन से प्रारंभ होगी एवं लक्ष्मी पूजा प्रतिष्ठानों, कारखानों में प्रारंभ हो जाएगी। पश्चात देव स्थान, गृहस्थजन प्रदोषकाल सूर्यास्त के बाद दीपोत्सव मना सकेंगे। इस दिन लक्ष्मी-कुबेर पूजा के साथ कुलदेवता, पितृ देवता एवं वास्तु देवताओं के साथ पंचदेवों का पूजन करना लाभकारी माना गया है। प्रदोषकाल में मां लक्ष्मीजी के इस दिन प्रादुर्भाव के समय ईशान कोण एवं घर के बाहर दीपक लगाना शुभकारी होता है। महानिशाकाल में कुबेर के साथ भ्रमणरत महालक्ष्मीजी के लिए स्वच्छता, पवित्रता एवं दीपों की रोशनी से प्रसन्न किया जाता है।

दीपावली पूजन मुहूर्त

इस वर्ष कार्तिक कृष्ण अमावस्या 31अक्टूबर (गुरूवार) को दीपावली का शुभ पर्व है। दीपावली पूजन का मुख्यकाल प्रदोषकाल होता है जिसमें स्थिर लग्न की प्रधानता होती है तथा वृष, सिंह या कुंभ लग्न में दीपावली पूजन करना उत्तम माना गया है। इस दिन वृष लग्न सायं के 6 बजकर 37 मिनट से रात्रि के 8 बजकर 33 मिनिट तक है। जो दीपावली पूजन के लिए उत्तम समय है। इसके पश्चात अर्धरात्रि में सिंह लग्न में रात्रि के 12 बजकर 59 मिनिट से रात्रि के 2 बजकर 33 मिनिट तक तथा कुंभ लग्न में भी दिन के 3 बजकर 22 मिनिट से दिन के 3 बजकर 32 मिनिट तक भी गणेश, कुबेर आदि दवेताओं का पूजन किया जा सकता है।

चौघड़िया मुहूर्त

सायंकाल 4.30 से 6 बजे तक शुभ का चौघड़िया प्रतिष्ठान, कारखानों, दुकानों के पूजन हेतु शुभ है। पश्चात 6 से 730 तक अमृत का चौघड़िया प्रदोषकाल गौधूलि बेला में गृहस्थजन एवं देव स्थानों हेतु उत्तम फलकारी है। 7.30 से 9 बजे तक चर का चौघडिया रहेगा। यह भी उत्तमफलकारी रहेगा। पश्चात महानिशाकाल में 12 से 1.30 तक लाभ का चौघड़िया सभी वर्गों के लिए फलदायी रहेगा। इस चौघड़िया में महानिशाकाल रात्रि में तांत्रिक लोग मंत्र सिद्धि कर लाभ की प्राप्ति कर सकेंगे।

दीपावली निर्णय

अमावस्या तिथि को दीपावली दीप पूजन करना श्रेष्ठ रहता है। अमावस्या प्रदोषकाल से अर्धरात्रि तक रहने वाली श्रेष्ठ मानी जाती है। 1 नवंम्बर को अमावस्या तिथि प्रदोषकाल के समय समाप्त हो रही है, सूर्य को दीया नहीं दिखाया जाता, क्योंकि दीपोत्सव रात्रिकालीन पर्व है। जबकि पूर्व में 31 अक्टूबर को अमावस्या तिथि प्रदोषकाल से रात्रि अंत तक मिल रही है, इसलिए दीपावली पर्व लक्ष्मी कुबेर पूजन 31 अक्टूबर गुरुवार के दिन किया जाना सर्व सम्मत है।

आगरा से भोपाल आया 9 क्विंटल मावा जब्त

रेलवे स्टेशन के बाहर लोडिंग गाड़ी में रखा था; सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे

भोपाल (नप्र)। राजधानी की बजरिया पुलिस ने गुरुवार को आगरा से भोपाल आया 9 क्विंटल मावा जब्त किया है। मावा भोपाल रेलवे स्टेशन के बाहर एक लोडिंग गाड़ी में रखा था, जिसकी शहर में डिलीवरी होना थी। आगे की जांच के लिए यह मामला खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को हैंड ओवर कर दिया गया है। बजरिया थाना पुलिस ने सुबह स्टेशन के बाहर चेकिंग की। इस दौरान वाहन में 23 डलिया में मावा रखा मिला। जानकारी मिलते ही फूड इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे और जांच के लिए सैंपलिंग की।

आगरा ट्रेन से उतरा मावा 15 से 20 घंटे पुराना

सीनियर फूड इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार वर्मा ने बताया, 23 डलिया में कुल 9 क्विंटल मावा रखा था। यह आगरा से किसी दीवान सिंह ने बुक कराया था, जो गुरुवार को ट्रेन के जरिए भोपाल पहुंचा। यहां नारायण सोनी की गाड़ी से मावा शहर में सप्लाई के लिए ले जाया जा रहा था। मावा कम से कम 15 से 20 घंटे पुराना है।

त्योहारों पर मावा-पनीर की बढ़ जाती है खपत

त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में भोपाल में मावा और पनीर की खपत बढ़ जाती है। इस वजह से ग्वालियर, भिंड, मुरैना समेत कई जिलों से मावा भोपाल आता है। कई बार अमानक मावा की खपत भी होती है। जिस वजह से खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम कार्रवाई में जुटी रहती है। प्रदेश के बाहर से भी मावा आता है। गुरुवार को भी आगरा से मावा यहां लाया गया।

भाजपा नेता की भतीजी की संदिग्ध स्थिति में मौत

भोपाल में किराए के कमरे में अर्धनग्न हालत में मिली लाश, इंश्योरेंस कंपनी में मैनेजर थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अवधपुरी इलाके में रहने वाली जनरल इंश्योरेंस कंपनी की महिला मैनेजर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मैनेजर का अर्ध नग्न शव कमरे में मिला। महिला सात महीने से इसी किराए के कमरे में रह रही थी। 22 अक्टूबर की रात कमरे में गई थी। 23 अक्टूबर की रात तक बाहर नहीं निकली। इसके बाद उसका शव कमरे से बरामद किया गया। वह राजगढ़ के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष और भाजपा नेता सुनील विजयवर्गीय की भतीजी थी।

पुलिस ने बताया कि लगातार कॉल करने के बावजूद बेटी ने कॉल पिक नहीं किया, तब मां ने मकान मालिक को कॉल कर मामले की जानकारी दी। मकान मालिक पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। महिला का मोबाइल जब्त किया गया है। गुरुवार दोपहर पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

टीआई रोशनलाल भारती के मुताबिक नेहा विजयवर्गीय (36) मूलतः राजगढ़ की रहने वाली थी। वह अवधपुरी स्थित निर्मल पैलेस में बने एक मकान की दूसरी मंजिल पर किराए से रहती थी और होशंगाबाद रोड स्थित एक निजी बीमा कंपनी में मैनेजर थी। मंगलवार को नेहा की आखिरी बार रात के समय घर पर बात हुई थी। उसने घर पहुंचने की जानकारी दी थी। बुधवार को दिन भर उसकी मां कॉल करती रही, लेकिन उसने पिक नहीं किया। मृतका के पिता का काफी समय पहले ही निधन हो चुका है।

मां ने मकान मालिक को मामले की जानकारी दी

इसके बाद मां ने नेहा के मकान मालिक को फोन किया। शाम को मकान मालिक कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। काफी प्रयास के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने बांस डालकर दरवाजे की कुंडी खोली तो अंदर बेड के पास फर्श पर नेहा का शव पड़ा हुआ था।

11 साल से पति से अलग रह रही थी नेहा

नेहा राजनीतिक परिवार से थी लेकिन आत्मनिर्भर थी और राजनीति से अलग अपना मुकाम बनाना चाहती थी। नेहा की चाची नमृता विजयवर्गीय भाजपा नेता हैं। वहीं उसके चाचा सुनील विजयवर्गीय राजगढ़ से नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। वह विवाहित थी, लेकिन पति से अलग रह रही थी। दोनों का तलाक हो चुका है। 11 साल से पति से अलग रह रही थी। नेहा की शादी उज्जैन में हुई थी। नेहा के परिजनों का कहना है कि 11 साल से अलग रहने के बावजूद वो तनाव में नहीं रहती थी।

शुरुआती जांच में सुसाइड की आशंका

पुलिस ने जब शव बरामद किया तो उसके मुंह से झाग निकला हुआ था। इसके साथ ही कमरे में उल्टी भी पड़ी थी। इससे महिला के जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड करने का अंदेशा है। हालांकि, कमरे से जहर की शीशी या किसी प्रकार की गोली का कोई रैपर नहीं मिला है। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। नेहा की दो बहनों की शादी हो चुकी है। उसकी मां का बेटियों के घर आना-जाना लगा रहता है। हर दो महीने में 15 दिन मां नेहा के साथ रहती थी।

परिजनों के डिटेल बयान दर्ज नहीं हो सके

टीआई भारती का कहना है कि जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। परिजनों ने नेहा के साथ अनहोनी की आशंका जताई है। परिजनों का तर्क है कि वह आत्महत्या नहीं कर सकती। किसी ने उसे जहर देकर मारा होगा। हालांकि कमरे का गेट अंदर से लॉक होने के कारण इसकी संभावना कम है कि किसी ने उसे जहर दिया होगा। परिजनों के डिटेल बयानों के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल पर जांच कर रही है।

विधानसभा में अनुपूरक बजट लाने की तैयारी शुरू

वाहन खरीदी के नहीं आएंगे प्रस्ताव, फंड मर्ज करने वाले प्रपोजल होंगे मंजूर

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में दिसम्बर में होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में लाए जाने वाले अनुपूरक बजट प्रस्ताव के लिए वित्त विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए वित्त विभाग ने सभी विभागों से प्रस्ताव मांगे हैं और यह भी तय कर दिया है कि किस आधार पर अनुपूरक बजट के लिए प्रस्ताव लाए जा सकेंगे।

जिन विभागों की ओर से अनुपूरक बजट के प्रस्ताव दिए जाएंगे, उन्हें यह बताना होगा कि 31 अक्टूबर तक उनके विभाग द्वारा बजट में किए गए प्रावधान के आधार पर कितनी राशि खर्च की जा चुकी है। सभी विभागों से 10 नवम्बर तक अनुपूरक बजट प्रस्ताव देने के लिए कहा गया है।

वित्त विभाग ने साफ किया है कि अनुपूरक बजट में नए वित्तीय मद के प्रस्ताव शामिल नहीं किए जा सकेंगे, जिनमें राज्य सरकार के वित्तीय संसाधनों से अतिरिक्त डिमांड की जा रही हो।

फाइनेंस ने यह भी क्लियर कर दिया है कि वाहनों की खरीदी के लिए अनुपूरक बजट में कोई प्रस्ताव नहीं दिए जा सकेंगे। विभाग ने यह भी कहा है कि जिन वित्तीय मदों को प्रतीक प्रावधान के रूप में खोलना है और राशि का इंतजाम अन्य मद से होने वाली बचत से किया जाना है, वे प्रस्ताव आ सकते हैं लेकिन बचत मद की जानकारी देना होगी।

इसी तरह अगर किसी योजना में खर्च के लिए राशि मांगी जा रही है और बजट की राशि पहले से मंजूर रकम में समायोजित होना है तो उसके संबंध में विभागों को अलग से ब्योरा देना होगा।

सप्लीमेंट्री बजट के प्रस्ताव इन शर्तों पर होंगे मान्य

जिस वित्तीय मद के लिए राज्य की आकस्मिकता निधि से एडवांस राशि जारी की गई है। जिसके लिए वित्त विभाग द्वारा सहमति दी गई है। जिनके लिए भारत सरकार या अन्य एजेंसी ने वित्तीय सहायता या केंद्रांश दिया है। जो वर्तमान वित्तीय मद से अलग न की जा सकती हो तथा अतिरिक्त संसाधन की व्यवस्था विभाग की अन्य योजनाओं में उपलब्ध राशि में कटौती कर नहीं की जा सकने की स्थिति हो।

विशेष पूंजीगत सहायता योजना के अंतर्गत जिन विभागों द्वारा भारत सरकार को प्रस्ताव भेजे गए हैं या भेजे जाने हैं, उन विभागों को अलग से बजट लाइन खोलने की आवश्यकता के मद्देनजर स्वीकृति की जरूरत हो।

विशेष पूंजीगत सहायता योजना में भारत सरकार से स्वीकृति के बाद यह अतिरिक्त बजट की जरूरत हो या अन्य योजनाओं से बचत की पूर्ति किया जाना संभव न हो।

भोपाल में निशातपुरा कोच फैक्ट्री के पास बनेगा आरओबी-610

ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा, 15 किमी का फेरा बचेगा, 15 लाख आबादी को मिलेगा फायदा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में निशातपुरा कोच फैक्ट्री के पास 610 मीटर लंबा रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) बनेगा। यह ब्रिज 6 रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। संभवतः यह देश का पहला रेलवे ओवर ब्रिज होगा, जिस पर वाहनों की आवाजाही भी संभव होगी। इससे शहर की 15 लाख आबादी को फायदा मिलेगा और करीब 15 किमी का चक्कर बचेगा।

गुरुवार को खेल एवं युवक कल्याण और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग सारंग ने ओवर ब्रिज की डिजाइन और प्लानिंग दोनों देखी। साथ ही प्लेटफार्म पर जाकर निरीक्षण भी किया। उन्होंने बताया, भोपाल रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-1 स्थित द्वारकानगर क्षेत्र को सीधे खेड़ापति हनुमान छोला से जोड़ने के लिए आरओबी मंजूर हो चुका है। यह 90 करोड़ रुपए से बनेगा।

रेलवे करेगा ओवर ब्रिज का निर्माण, 72 करोड़ रुपए दिए- ब्रिज की लंबाई 610 मीटर और चौड़ाई साढ़े 7 मीटर रहेगी। राज्य सरकार के इस प्रोजेक्ट को रेलवे पूरा करेगा। इसके लिए रेलवे को 72 करोड़ रुपए दिए गए हैं। बाकी राशि भी जारी की जाएगी। जल्द भूमि पूजन होगा। यह करीब 18 महीने में बनकर तैयार हो जाएगा।

15 किमी लंबा चक्कर लगाने से मिलेगी राहत- मंत्री सारंग ने बताया, अभी भोपाल के प्लेटफॉर्म नंबर-1 से छोला की ओर जाने के लिए छोटी गाड़ियों को पुलिया से होकर गुजरना पड़ता है। वहीं बड़ी गाड़ियों को भारत टॉकीज ब्रिज से लगभग 15 किमी लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। इस आरओबी के निर्माण से यह 15 किमी का चक्कर नहीं लगाना होगा। साथ ही ट्रैफिक की समस्या से भी क्षेत्रवासियों को निजात मिलेगी।

नए भोपाल, विदिशा, बैरसिया की कनेक्टिविटी सुधरेगी

मंत्री सारंग ने बताया, यह भोपाल वासियों के लिये बड़ी सौगात होगी। इसके निर्माण से पुराने व नए भोपाल के साथ विदिशा, बैरसिया समेत आसपास के क्षेत्रों से रोड कनेक्टिविटी बेहतर होगी। उन्होंने कहा, मेरे विधानसभा क्षेत्र नरेला में कई ब्रिज बनवा रहा हूं, लेकिन यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है। निरीक्षण के दौरान रेलवे और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौजूद थे।

स्टेट म्यूजियम के बाद अब राज्य संरक्षित स्मारक गोलघर की सुरक्षा में सेंध, केबल चोरी

सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

भोपाल (नप्र)। श्यामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय के बाद अब गोलघर में चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात चोर तड़िक चालक यंत्र की केबल काट ले गया। राज्य संरक्षित स्मारक को आकाशीय बिजली से बचाने के लिए मप्र पर्यटन विकास निगम ने यह यंत्र लगवाया है। इस तरह से केबल चोरी होना गोलघर की सुरक्षा में गहन चूक मानी जा रही है।

गोलघर के तकनीकी सहायक प्रभारी डॉ. अहमद अली की शिकायत के बाद शाहजहांनाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी यूपीएस चौहान ने बताया कि 22 अक्टूबर को स्मारक के निरीक्षण के दौरान केबल चोरी का पता लगा। सुरक्षा में तैनात गार्ड भी इस संबंध में कोई जवाब नहीं दे पाया।

सुरक्षा गार्ड ने बताया, परिसर में बाउंड्री वॉल निर्माण के साथ भवन संधारण का काम किया जा रहा है। चोर का पता लगाने के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। परिसर में मजदूरी करने वालों से भी पूछताछ की गई है। गोलघर के स्टाफ ने इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी है।

स्टेट म्यूजियम में भी घुस चुका है चोर- भोपाल के स्टेट म्यूजियम में 3 सितंबर को एक चोर घुस गया था। वह रविवार को घुसा था और सोमवार को पूरा दिन वहां रहा था। इस दौरान उसने 15 करोड़ रुपए कीमत के पुरातात्विक आइटम्स चुरा लिए थे। हालांकि दीवार फांदने के चक्कर में उसका पैर टूट गया था।

मंगलवार सुबह जब कर्मचारियों ने म्यूजियम का ताला खोला तो अंदर दो कमरों में गैलरी के कांच टूटे थे। सामान गायब था। दालान में एक युवक बेहोश पड़ा मिला था। उसके पास से बैग में 2000 साल पुराने गुप्तकालीन, ब्रिटिश और नवाबी काल के सोने के सिक्के पाए गए। जेवर, बर्तन और दूसरी पुरानी कीमती चीजें भी मिलीं थीं।

इसलिए महत्वपूर्ण है गोलघर...- जानकारों की मानें तो गोलघर (तब गुलशन ए आलम) का निर्माण 1868 से 1901 के बीच हुआ। इसे ज्योमेट्री डिजाइन का बेहतर नमूना बताया जाता है। गोलघर में जाने के लिए 32 दरवाजे हैं। वर्तमान में यह राज्य संरक्षित स्मारक में शामिल है।

संपादकीय

ब्रिक्स सम्मेलन का हासिल

रूस के कजान में सम्पन्न दो दिनी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया को बहुध्रुवीय बनाने और विश्व में अमेरिका व पश्चिमी देशों की दादागिरी व डॉलर के दबदबे को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है। सम्मेलन में शामिल सभी 9 देशों ने लोकल करेंसी में आपसी व्यापार पर सहमति जताई है। इस लिहाज से भारत अब ब्रिक्स देशों के साथ रूपए में व्यापार कर सकेगा। सम्मेलन के इस फैसले से वैश्विक मार्केट में डॉलर को बड़ी चुनौती मिलने की संभावना है, क्योंकि ज्यादातर वैश्विक व्यापार डॉलर में ही होता है। 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी घोषणापत्र में कहा गया है कि सदस्य देश कामकाज के स्तर पर स्थिरता बनाये रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में संयुक्त गतिविधियों की संभावना तलाशेंगे। ब्रिक्स नेताओं ने 21वीं सदी में मानव जीवन के सभी पहलुओं की तेज गति वाली डिजिटलीकरण प्रक्रिया पर चिंता व्यक्त की और विकास के लिए डेटा की महत्वपूर्ण भूमिका और इस मुद्दे के समाधान के लिए ब्रिक्स के भीतर जुड़ाव को तेज करने की जरूरत बताई। इसके अलावा सदस्य देशों ने आपसी व्यापार बढ़ाने और स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय निपटान की व्यवस्था बनाने पर सहमति जताई। साथ ही स्वतंत्र रूप से काम करने वाला सीमापार निपटान और डिपॉजिटरी बुनियादी ढांचे की व्यावहारिकता का अध्ययन करने और ब्रिक्स पुनर्बीमा कंपनी पर भी सहमति व्यक्त की। सदस्य देशों के नेताओं ने 21वीं सदी में नव विकास बैंक को एक नये प्रकार के बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) के रूप में विकसित करने पर भी सहमति जताई और ब्रिक्स के नेतृत्व वाले बैंक की सदस्यता को बढ़ाने का समर्थन किया। ब्रिक्स घोषणा में कहा गया है कि हम व्यापार बाधाओं को कम करने और गैर-भेदभावपूर्ण पहुंच के सिद्धांत पर तैयार तेज, कम लागत वाले, कुशल, पारदर्शी, सुरक्षित और समावेशी सीमापार भुगतान उपकरणों के व्यापक लाभ को समझते हैं। हम ब्रिक्स देशों और उनके व्यापारिक भागीदारों के बीच वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग का स्वागत करते हैं। इसी के तहत सभी सदस्य देश अपना नया बैंकिंग नेटवर्क बनाएंगे। गौरतलब है कि ब्रिक्स के 9 सदस्य हैं तथा सउदी अरब उसका आमंत्रित सदस्य है। जहां तक भारत की बात है तो उसने अपनी सफल कूटनीति के जरिए पूर्व और पश्चिम के बीच जबरदस्त संतुलन साधा हुआ है। हम सभी के साथ हैं और शायद किसी के साथ नहीं। हमारे देश के हिसाब से यह सम्मेलन हमारे पड़ोसी से विवादों को सुलझाने और दोस्ती के रास्ते पर दो कदम आगे बढ़ने का संदेश लेकर आया है। पांच साल पहले गलवान झड़प के बाद भारत और चीन के रिश्ते में भारी खटास आ गई थी। जिसे इस बार विवादित क्षेत्र से दोनों देशों की सेनाओं के हटने के फैसले से ढांकने की कोशिश की गई है। भारत चीन सीमा विवाद के संदर्भ में दोनों देशों द्वारा तनाव कम करने पर सहमत होना बड़ी बात है। इसका श्रेय मोदी सरकार और उनकी टीम को जाता है। सम्मेलन के दूसरे दिन पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाथ मिलाकर अपनी दोस्ती और बेहतर रिश्तों को ताजा किया। चीन के साथ भारत के सीमा विवाद का कोई संतोषजनक हल निकलेगा, या नहीं निकलेगा, कहना मुश्किल है, लेकिन इसने रिश्तों की बर्फ पिघलाने का काम किया है। इसमें निश्चित ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भी अहम भूमिका रही है। उम्मीद की जाए कि सौहार्द्र की यह खिड़की आगे भी खुली रहेगी और चीन पहले की तरह मुंह में राम बगल में छुरी वाले अंदाज में भारत से रिश्ते नहीं रखेगा। चीन के साथ हाथ मिलाते समय हमें हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

किसी भी सीवर को अभयारण्य नहीं होना चाहिए

नजरिया

अनुराग बेहार
लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ एवं अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के संस्थापक वाइस चांसलर हैं। अंग्रेजी अखबार मिंट में प्रकाशित आलेख से अनुदित।

खुला सीवर 10 किलोमीटर तक सीधा बहता है, जो लगभग 8 मीटर गहरे और 50 मीटर चौड़े एक गहरे घाटीनुमा गड्ढे में है और जिसके किनारे इस तरह ढलान लिए हुए हैं कि बीच में इसकी चौड़ाई का 20 मीटर हिस्सा समतल है। 6 मीटर चौड़ा सीवर गड्ढे के इसी समतल हिस्से के बीच में है। इस घाटी के ऊपर 10 किलोमीटर की पूरी लंबाई को घेरता हुआ एक एलिवेटेड हाईवे गुजरता है, जो सीवर से लगभग 20 मीटर ऊपर और घाटी के किनारे की जमीन से लगभग 12 मीटर ऊपर है। एक व्यस्त रेलवे लाइन दक्षिणी छोर के अधिकांश हिस्से के समानांतर चलती है और उत्तरी छोर पर एक सड़क है। ऊपर का हाईवे गड्ढे की पूरी चौड़ाई को कवर करता है। सीवर वाला गड्ढा हाई-स्पीड छह लेन वाले हाईवे से दिखाई नहीं देता क्योंकि यह ठीक हाईवे के नीचे है।

घुमावदार काला कीचड़ सीवर में तेजी से बहता है। यह बीस लाख लोगों की आबादी वाले शहर से आया कचरा है, जो भयानक बदबू लिए आता है। गड्ढे के आसपास लगभग 2000 लोग झुग्गियाँ बनाकर रहते हैं। ये झुग्गियाँ बेकार प्लास्टिक, धातु की चादरों और सड़ी हुई लकड़ी से बनी हैं। मानसून की बारिश के दौरान सीवर का बहाव अनियंत्रित हो जाता है इसलिए झुग्गियाँ ढलान वाले हिस्से के ऊपर की ओर ही बनी हुई हैं, जहाँ से आसानी को कोई बाधा नहीं पहुँचती और ये झुग्गियाँ गड्ढे के दोनों किनारों से साफ दिखाई देती हैं। सीवर के किनारे जगह-जगह पर, दो-दो वर्ग फुट का शौचालय बनाने हेतु ज़मीन में गड़ी हुई चार बाँस की छड़ियों के चारों ओर फटी हुई साड़ियाँ लपेटी हुई देखी जा सकती हैं।

आसपास रहने वाले ऐसा मानते हैं कि इस सीवर के आसपास की झुग्गियों में अधिकतर नकली शराब बनाने वाले, नशे का कारोबार करने वाले और अपराधी लोग रहते हैं। मगर वास्तविकता यह है कि यदि आप अपनी हवेलियों में खड़े होकर उनके बारे में राय बनाने की बजाय इस गड्ढे में झाँककर उन्हें करीब से देखेंगे तो आप भारत के गरीबी से त्रस्त व्यक्ति से मिल पाएँगे। एक मजदूर, ट्रेफिक सिग्नल पर वस्तुएँ बेचने वाले या भीख माँगने वाले, वह सब काम करने वाले जो जीवन जीने के लिए उन्हें मिलता है, जरूरी लगता है। इनमें से निश्चित रूप से कुछ अपराधी भी होंगे, मगर उनकी संख्या झुग्गियों से दिखाई देने वाली बड़ी इमारतों में रहने वाले सफेदपोश अपराधियों से कम ही होगी।

ये परिवार यहाँ क्यों रहते हैं? क्योंकि यहाँ से उन्हें पुलिस, भू माफिया, शहर स्वच्छता समिति के वाशिंदे आदि कोई भगा नहीं सकता, विस्थापित नहीं कर सकता। पुल के नीचे, रेलवे लाइन के पास, फुटपाथ या अन्य किसी जगह बने ये सीवर उनके लिए अभयारण्य हैं। बाकी स्थानों पर चाहे वे पुल के नीचे हो, रेल पटरी के पास हो, फुटपाथ पर हो या और कहीं, कोई न कोई उन्हें वहाँ से हटाने की ताक में लगा रहता है, चूंकि शहरों की ज़मीन सोने की तरह कीमती है। पर ये लोग यहाँ क्यों रहते हैं? क्योंकि गाँव में उनके घरों में भूख मिटाने के लिए एक समय का भोजन जुटाना भी उनके लिए संभव नहीं हुआ...

हमारी सबसे पवित्र नदी का विस्तार भव्य है। यह विस्तार उस ऊंचे राजमार्ग से दिखाई देता है। इसका पानी उस सीवर जैसा गंदा और बदबूदार नहीं है लेकिन श्रद्धालु जब इसमें स्नान करते हैं तो अपने पाप को बीमारी में बदल देते हैं।

देश के एक पवित्र तीर्थस्थल पर एक हजार किलोमीटर ऊपर से आता पानी साफ है मगर इसके किनारे साफ नहीं हैं। एक अन्य चमचमाते राजमार्ग से हम कीचड़ से सने हुए किनारों पर प्लास्टिक-धातु-लकड़ी से बनी जानी-पहचानी झुग्गियाँ देख सकते हैं। गरीबी ने इन गाँवों के निवासियों को उनके गाँवों से भगा दिया, लेकिन कोई भी उन्हें इन कीचड़ भरे किनारों से नहीं भगाता, जब तक कि वे हर बार बड़े या छोटे मेले के आयोजन पर इन्हें स्वेच्छा से खाली नहीं कर देते। आसपास के क्षेत्र में धर्म-प्रधान निर्माण कार्य में तेजी से उन्हें कुछ दिहाड़ी काम मिल जाता है या कम से कम उनके पास पवित्र नदी में स्नान करने के लिए आने वाले हजारों लोगों से मिलने वाली भिक्षा का सुरक्षा कवच ही मिल जाता है।

यहाँ के बच्चे चाहे वे सीवर के पास रहते हो या मैले किनारों के पास, वे स्कूल नहीं जाते। पहले तो उन्हें स्कूल में दाखिला ही नहीं मिलता और यदि मिलता भी है तो अत्यधिक व्यस्त रेल पटरी या हाईवे को पार करना बेहद जोखिम का काम है। अधिकतर परिवारों के पास राशन-कार्ड नहीं हैं- जिसका मतलब है कि अनाज की सार्वजनिक वितरण प्रणाली तक उनकी पहुँच असंभव है। अधिकांश के पास भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं तक पहुंचने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। पीने के लिए पानी जुटाना एक दैनिक संघर्ष है और इस पानी को हासिल करने में उनकी कमाई या काम के घंटे या दोनों खत्म हो जाते हैं। मंदिरों में जाना वर्जित है। बच्चों की पैदाइश में परेशानी होती है चूँकि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली तक पहुँच नहीं है और निजी अस्पतालों में प्रसव अकल्पनीय रूप से पहुंच से बाहर है। मृत्यु अंतिम संस्कार की गरिमा की मांग करती है, जो पीछे जीवित बचे लोगों को और गरीबी में धकेल जाती है।

इस तीर्थ स्थल से दक्षिण में 2000 कि.मी. दूर शहरी कचरे से बना ऐसा ही सीवर और उसके किनारे कतारों में बनी झुग्गियाँ नज़र आएँगी। यह एक और मध्यम आकार का शहर है, जहाँ गाँवों की तुलना में आजीविका के साधन कम ही है फिर भी यहाँ जीने के लिए साधन उपलब्ध होंगे, यह विश्वास रहता है। यही कारण है कि शहरों में हर तरफ इस तरह की झुग्गियाँ दिखाई देती हैं।

जो कभी हमारे बड़े शहरों में घटता था, वह अब अधिकांश छोटे और मध्यम आकार के शहरी केंद्रों में फैल गया है। लेकिन ये केवल झुग्गी-झोपड़ियाँ नहीं हैं, उनसे भी निम्न स्तर की झुग्गी-झोपड़ियाँ हैं जो जीवन जीने के सिद्धांत का खंडन करती हैं, उन्हें गहरी खाई में धकेलती है। अगर हम पर्याप्त नौकरियों और आजीविका के अवसर नहीं बनाते हैं और यह सुनिश्चित नहीं करते हैं कि वे पूरे भारत में समान रूप से वितरित हो तो मूल समस्या का समाधान नहीं होगा। एक राष्ट्र के रूप में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी यह स्पष्ट है कि हम ऐसा करना नहीं जानते, मगर यह स्वीकार करना अत्यंत आवश्यक है कि हम नहीं जानते हैं तभी अनुसंधान और नीति से लेकर ज़मीनी स्तर पर काम करने और व्यवसाय तक हर आयाम पर आवश्यक गहन प्रयासों की शुरुआत हो सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस बीच हम अपने सबसे गरीब लोगों के लिए सबसे बुनियादी चीजें सुलभ नहीं करवा सकते। अगर हमारी कारों के लिए हाई-स्पीड हाईवे बनाए जा सकते हैं तो उनके पास भोजन, पानी, बुनियादी स्वास्थ्य और शिक्षा क्यों नहीं होनी चाहिए? हमारे पास इनमें से अधिकांश के लिए कल्याणकारी योजनाएँ हैं लेकिन इन झुग्गी-झोपड़ियों के निवासियों की उन योजनाओं तक पहुँच लगभग नहीं के बराबर है। हमें इसे दृश्य को बदलना होगा। देश में कहीं भी किसी भी सीवर को नागरिकों के लिए अभयारण्य नहीं होना चाहिए।

बाघों के बहाने वीरान होते गांव

विस्थापन

राजकुमार सिन्हा
लेखक 'बरगी बांध विस्थापित संघ' के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं।

मध्यप्रदेश में आजकल राजधानी भोपाल से लगे हुए रातापानी अभ्यारण्य को 8 वां टाईगर रिजर्व बनाने की तैयारी चल रही है जिसमें 2170 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें राज्य के सीहोर और औबेदुल्लागंज के वन क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इसके अंदर 32 गांवों के दस हजार परिवार निवासरत हैं। दूसरी ओर अलग- अलग 'टाईगर रिजर्व' के बीच कॉरीडोर बनाया जाना प्रस्तावित है जिसमें अनेक गांवों के विस्थापन की संभावना है। इस कॉरीडोर में कान्हा से पेंच टाईगर रिजर्व, पेंच से सतपुडा टाईगर रिजर्व और बांधवगढ़ से संजय टाईगर रिजर्व को जोड़ा जाएगा।

देश के 19 राज्यों के 53 टाईगर रिजर्व से 848 गांव के 89808 परिवारों को 'टाईगर रिजर्व' के 'कोर क्षेत्रों' से विस्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिनमें अधिकांश आदिवासी समुदाय के लोग हैं। अभी तक 257 गांवों के 25007 परिवारों को हटाया जा चुका है। विगत 19 जून 2024 को पर्यावरण मंत्रालय के 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' (एनटीसीए) ने एक आदेश जारी किया है। इसमें सभी राज्यों के अधिकारियों को राज्य में घोषित किए गए 'टाईगर रिजर्व' के 'कोर क्षेत्रों' में मौजूद 591 गांवों और उनके 64801 परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर स्थानांतरित करने का निर्देश शामिल है और इस पर 'कार्य योजना' तथा नियमित प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है।

'एनटीसीए' द्वारा विस्थापन को लेकर उठाये गए ये कदम पूर्ण रूप से क़ानून और संरक्षण के ढाचों व भावनाओं की अवहेलना करते हैं और अनेक संबंधित क़ानूनों का उल्लंघन करते हैं। इनमें 'वन अधिकार क़ानून -2006,' 'वन्यप्राणी संरक्षण कानून- 1972' व संशोधित 2006, 'भू-अर्जन, पुनर्वास और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम -2013,' 'पेसा क़ानून - 1996,' 'अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम- 1989' शामिल हैं। 'एनटीसीए' द्वारा निर्देशित यह विस्थापन वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में संरक्षण के नाम पर सबसे बड़ा विस्थापन होगा।

'बाघ परियोजना' की शुरूआत 7 अप्रैल 1973 को हुई थी। इसके तहत शुरू में देशभर में 9 'बाघ अभ्यारण्य' बनाए गए थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 53 हो गई है। 'एनटीसीए' के गठन सबंधी प्रावधानों की व्यवस्था करने के लिए 'वन्यजीव संरक्षण अधिनियम - 1972' में संशोधन किया गया। इन्हीं संशोधनों के बाद 'वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम- 1972' तथा संशोधित 2006 की धारा 38V(4) (ii) के अंतर्गत प्रत्येक 'टाइगर रिजर्व' में 'बफर क्षेत्र' अधिसूचित किया जाना अनिवार्य किया गया है।

'बफर क्षेत्र' 'क्रिटिकल टाईगर हैबीटेट' (संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र) या 'कोर क्षेत्र' के चारों ओर का वह क्षेत्र है, जहां 'कोर क्षेत्र' की तुलना में कम प्रतिबंधों की आवश्यकता होती है एवं 'क्रिटिकल टाईगर हैबीटेट' की समग्रता के लिए आवश्यक है। 'वन अधिकार कानून- 2006' की कंडिका - 4(2) में प्रावधान है कि संकटग्रस्त बाघ आवासों की स्थापना राज्य सरकार द्वारा इस विषय पर गठित विशेषज्ञ समिति के परामर्श के आधार पर अधिसूचना के माध्यम से की जाएगी।

इन क्षेत्रों की स्थापना वैज्ञानिक तथ्यों और उद्देश्यों के आधार पर बाघ संरक्षण के उद्देश्य के लिए की जाती है। इन क्षेत्रों की अधिसूचना जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि जनजातियों या वन-निवासियों के अधिकारों को किसी प्रकार के प्रभाव से मुक्त रखा गया है। 'बफर क्षेत्र' में लोगों की आजीविका, विकास, सामाजिक-सांस्कृतिक अधिकारों के साथ वन्यजीव तथा मानवीय कार्यों के सह-अस्तित्व के उद्देश्यों को बढाना जरूरी है। 'बफर क्षेत्र' की सीमाओं का निर्धारण वैज्ञानिक तथा उद्देश्यों के आधार पर सबंधित ग्रामसभा और इस उद्देश्य के लिए गठित विशेषज्ञ समिति से परामर्श द्वारा होता है।

स्थानीय समुदाय और 'संरक्षित क्षेत्रों' (अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान) में वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति में 'संरक्षित क्षेत्र' के अन्तर्गत 'संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र' घोषित किए जाने की पूरी प्रक्रियाओं के चरण निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पहले वन अधिकारों की संपूर्ण मान्यता दी जाती है। उचित प्रतिनिधित्व के साथ विशेषज्ञ समिति गठित की जाती है जिसमें स्थानीय समुदाय का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। यह समिति विमर्श की खुली प्रक्रिया अपनाती है। प्रत्येक मामले के लिए व्यक्तिगत रुप से वैज्ञानिक और निष्पक्ष आधार का उपयोग किया जाता है।

'संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र' घोषित करने के पहले वन्यजीवों को होने वाली अपरिवर्तनीय क्षति और उनके अस्तित्व के लिए खतरे को स्थापित किया जाना जरूरी है। यदि क्षेत्र में सामूहिक रूप से कोई खतरा होता है तो 'सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजनाओं' में संशोधन या फिर, यदि जरूरी हो तो योजनाओं में दिए गए अधिकारों या उसे लागू करने के तरीकों में संशोधन के माध्यम से सह-अस्तित्व का परीक्षण किया जाता है। अगर सह-अस्तित्व संभव है तो लंबे समय के लिए सह-प्रबंधन प्रणाली बनाई जाती है। अगर सह-अस्तित्व संभव नहीं है तो सबंधित हिस्सों के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज तैयार किया जाता है जो मौजूदा कानूनों और नीतियों के अनुरूप हो और जिसे सबंधित ग्रामसभाओं की पूर्ण सहमति प्राप्त हो गई हो।

'टाइगर रिजर्व' की घोषणा के पहले उपरोक्त सभी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर गांवों को स्थानांतरित करने पर जोर दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, संजय-दूबरी, सतपुड़ा, पन्ना और वीरांगना दुर्गावती 'टाईगर रिजर्व' हैं जो अन्य राज्यों से अधिक है। इन 7 'टाईगर रिजर्व' में से 165 गांवों के 18626 परिवारों को नोटिफाई किया जा चुका है और जिसमें से 109 गांवों के 9058 परिवारों को विस्थापित किया जा चुका है। अब 56 गांवों के 9568 परिवारों को विस्थापित किया जाना शेष है।

विस्थापित परिवारों को जो आश्वासन दिए गए थे, वे पूरे नहीं हुए हैं। सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के गांव साकई, झालई, नया माना और खामदा को जमानी के पास बसाया गया है, परन्तु यहां पीने के पानी तक का संकट है। इसी वर्ष 'अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' पर नई दिल्ली स्थित एक मानव अधिकार समूह द्वारा 'भारत के बाघ अभयारण्य-आदिवासी बाहर निकलें, पर्यटकों का स्वागत' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रोजेक्ट टाईगर के कारण अनुसूचित जनजातियों और अन्य वन-निवासी परिवारों के कम-से-कम 5.5 लाख लोग विस्थापित होंगे। 2021 से पहले 50 'बाघ अभयारण्यों' से विस्थापित लोगों की संख्या 254794 थी। (सप्रेस)

देश की संक्षिप्त राजनीतिक समीक्षा

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल
लेखक साहित्यकार हैं।

भारत का एक नागरिक जो आज़ादी के पॉंच साल बाद पैदा हुआ, अपने देश के राजनीतिक परिदृश्य का एक शब्द चित्र बनाता हूँ और पाता हूँ कि मेरे बचपन के दिनों में कॉंग्रेस एक भरी-पूरी गर्म रजाई की तरह थी और जिसे ओढ़कर देश की सभी बिरादरियों के लोग गर्माहट महसूस करते थे। मेरी तरह कई लोग इस गर्माहट को आज भी भूले नहीं हैं। उस समय देश में समाजवादी और प्रजा समाजवादी नाम के दल भी बनें। एक जनसंघ नाम का अल्पज्ञात दल भी था।

गैर कॉंग्रेसवाद का नारा सबसे पहले इन्हीं समाजवादी दलों ने लगाया और इनके पढ़े-लिखे नेताओं ने तो यहॉं तक कहा कि वे कॉंग्रेस को हटाने के लिए कोई भी समझौता करने को तैयार हैं। इन्हीं ने जनसंघियों से मिलकर संविद सरकार बनाने का राजनीतिक खेल भी खेला। देश को सद्भावपूर्ण राष्ट्रीयता का सबक सिखाने वाली कॉंग्रेस की भरी रजाई से ही रुई नोंच-नोंचकर कई तरह के जातिवादी दल अपने गद्दे-तकिए भरवाने लगे थे और इंदिरा जी के राजनीतिक समय में खुद कांग्रेस भी अपनी भरी-पूरी रजाई के दो टुकड़े कर चुकी थी। बाद में तो वह कई तृण-मूलों में बिखरती चली गयी।

जब जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में कॉंग्रेस के खिलाफ़ बिहार आंदोलन प्रारंभ हुआ और उनके आह्वानों से यह संदेह होने लगा कि कहीं देश में अराजकता न फैल जाये। तब इसी कारण देश में आपातकाल लगाने की नौबत भी आयी। जब उन्नीस महीने के बाद आपातकाल हटाया गया तो भांति-भांति के जातिवादी, कौमपरस्त, साम्प्रदायिक दल एक 'जनता पार्टी' नामक तात्कालिक गठबंधन बनाकर देश की सत्ता पर काबिज हो गये। बाहर से सही पर साम्यवादी वामपंथियों ने भी उनका समर्थन किया। वे मात्र ढाई साल में विफल होकर देश के लोगों की नज़रों से गिर भी गये। जनता ने फिर कॉंग्रेस को चुना। जब आतंककारी ताकतें इंदिरा जी के प्राण भी ले चुकीं, तब भी राजीव गांधी के नेतृत्व में कॉंग्रेस आगे बढ़ती रही। फिर राजीव जी के प्राण भी ले लिए गये।

यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जायेगा कि जनता के जात-पांत में बंटे रहने के कारण और उसकी क्षेत्रीय पीड़ाओं के नाम पर वोट बटोरने वाले छोटे राजनीतिक दल बड़ी तादाद में खड़े होकर कॉंग्रेस की सर्वसमावेशी शक्ति को कमजोर करने लगे थे और इन दलों ने ही कॉंग्रेस को सत्ता के स्वार्थी गठबंधनों की तरफ दबाव बनाकर खींचा। जो कॉंग्रेस देश के दिल को जीतकर शासन चलाती थी, उसे इन वोट के खुदरा व्यापारियों के दलों के दलदल में फंसना पड़ा। सोनिया गांधी को इन गठबंधनों के मेंढकों को तौलने में अपना समय गॅंवाना पड़ा।

भारतीय जनता पार्टी ने इन राजनीतिक गुमटियों के नेताओं को पहले साथ लेकर और फिर इनका भेद जानकर वोट के इस खुदरा व्यापार में सेंध लगायी तो ये दल उसके खेमे में खिसकने लगे। सबसे पहले इन मेंढकों को अटल बिहारी वाजपेयी ने पॉंच साल तक किसी तरह तौला। ये दल यही कहते पाये गये हैं कि कांग्रेस और भाजपा तो एक जैसे ही हैं। इसका मतलब यह हुआ कि सत्ता पाने के लिए दोनों में अपनी जगह बनायी जा सकती है। इन खुदरा दलों की घुसपैठ के कारण इतना बड़ा देश करीब आधी सदी से 'कामन मिनिमम प्रोग्राम' से ही चल रहा है। वह अपनी समृद्धि का कोई बड़ा सपना देख नहीं पा रहा। मैंनें अभी तक वोट के इन खुदरा व्यापारी नेताओं को देश की अर्थनीति, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था पर कोई गंभीर विमर्श करते हुए नहीं सुना। वे केवल वोट बटोरने के लिए जातियों का नाम स्मरण ही करते रहते हैं। वे उन्हें रोज गिनते रहते हैं कि कहीं उनके लिए कम न पड़ जायें।

इन दलों के राजनीतिक हथकण्डे अब किसी से छिपे नहीं हैं। उनके मन में बस यही विचार पलता रहता है कि इन दो राष्ट्रीय दलों...कांग्रेस और भाजपा...के दो पाटों के बीच उनका क्या होगा। वे यह भी जानते हैं कि भाजपा की नयी रजाई में बहुत सारी रुई तो कॉंग्रेस की रजाई से ही नोंचकर भरी गयी है। उसमें अब महात्मा गांधी के द्वारा धुनका हुआ कपास नहीं रह गया है। भाजपा ने इस रजाई में आयातित बी टी काटन भी खूब भर लिया है। देश में विकसित हो रही हिन्दू राजनीति देश की माटी में उगे उस कपास के फूल को भूलती जा रही है जिसकी उज्वलता को संत हृदय के समान माना गया है।

आज़ादी के पचहत्तर साल बीत गये और देश के कपास के फूलों पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद की राजनीतिक धूल जमती चली गयी। गांधी जी की तरह अब वे लोकतंत्र के जुलाहे और बुनकर नेता कहॉं रहे जो इस मैली रुई को धुनककर लोकतंत्र को ठण्ड में ठिठुरने से बचाने के लिए नयी रजाई भर सकें। उसे इस तरह ताग सकें कि बिना किसी भेदभाव के पूरा देश उसे फिर ओढ़ सके।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

'द अर्थ' मूव्स अराउंड द 'अर्थ'

व्यंग्य

कारुलाल जमडा 'कारुण्य'
लेखक साहित्यकार हैं।

बोर्ड परीक्षा का परिणाम देखकर छात्र को बड़ी हैरानी हुई। वह केवल अंग्रेजी विषय में एक नंबर से विशेष योग्यता प्राप्त करने से रह गया था। जहां उसे सारे विषयों में विशेष योग्यता के अंक प्राप्त हुए थे,वहीं केवल अंग्रेजी में एक अंक से कैसे पीछे रह गया ? यह सोचकर उसने अपनी कापी दोबारा चेक कराने का निश्चय किया और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर दिया। कुछ समय बाद उसे अपनी उत्तर पुस्तिका देखने हेतु आमंत्रित किया गया ।जैसे ही उसने उत्तर पुस्तिका का अवलोकन किया, वह भौंचक्का रह गया।उसने देखा कि एक प्रश्न के सही उत्तर पर लाल रंग से क्रॉस का निशान लगाया गया था। उसने मूल्यांकनकर्ता मास्टर जी से शिकायत की कि 'पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है', इस वाक्य के अनुवाद में उसे एक अंक क्यों नहीं दिया गया जबकि उसने सही किया था। दरअसल उसने उत्तर में लिखा था 'द अर्थ मूव्स अराउंड द अर्थ' और अंग्रेजी के मूल्यांकनकर्ता मास्टरजी ने बाद वाले 'अर्थ' को गलत अनुवाद मानकर कर उसका एक अंक काट लिया था।

अब छात्र इस बात पर अड़ गया कि उसने सही उत्तर लिखा है और उसे पूरे अंक मिलना चाहिए। उसका कहना था कि 'धरती सूर्य के आसपास नहीं घूमती' अपितु 'अर्थ' यानि धन के आसपास घूमती है और वह यह सिद्ध कर सकता है। लेकिन मूल्यांकनकर्ता मास्टरजी का कहना था कि यह तो एक सार्वभौमिक सत्य है कि 'पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है' और इसके लिए 'द अर्थ मूव्स अराउंड द सन' ही आयेगा। फिर छात्र द्वारा बाद में लिखे गए 'अर्थ' शब्द अर्थात् 'सूर्य' (सन) की जगह पर अर्थ (धन) के लिए अंक कैसे दिया जा सकता है? जब उन्होंने इसके लिए साफ इंकार कर दिया तब छात्र ने मास्टरजी से पूछा कि एक बात बताइए सर कि आप यहां पर क्यों आये है ? मूल्यांकनकर्ता मास्टरजी ने जवाब दिया कि 'यह मेरी ड्यूटी है। मुझे बुलाया गया है पुनर्मूल्यांकन के लिए' । फिर छात्र ने प्रतिप्रश्न किया कि आप ड्यूटी क्यों करते हैं ? तो शिक्षक ने जवाब दिया कि यह मेरी नौकरी है और इससे मुझे पैसा मिलता है, मेरा घर चलता है।

छात्र ने कहा -'वही तो' ! आप भी यहां पर पैसे यानी 'अर्थ' के लिए ही आए हैं। आप और दूसरे सभी अर्थ के लिए काम कर रहे हैं। मेरी जो पढ़ाई हो रही है वह भी आगे 'अर्थ' अर्जन करने के लिए हो रही है। संपूर्ण तंत्र ही 'अर्थ' के लिए ही काम कर रहा है। आप बताइए कि कहां 'अर्थ' नहीं है? नीचे से लगाकर ऊपर तक के तंत्र में केवल 'अर्थ' ही 'अर्थ' है और उसी का अर्थ भी है ।इसके अतिरिक्त सभी 'निरर्थक' है। छात्र की इस त्वरित तार्किक वाचालता से मास्टर जी का मुंह खुला का खुला रह गया था। अब आगे संस्कृत में विशेष योग्यता प्राप्त उस छात्र ने अपने संस्कृत ज्ञान प्रयोग करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों तक में लिखा है कि 'सर्वे गुणाः कान्चनम् आश्रयन्ते' अर्थात् 'सारे गुण कंचन याने सोने अर्थात् धन पर आश्रित' होते हैं। भर्तृहरि ने अपने नीति शतक के एक श्लोक में तो यहां तक कहा है कि 'यदि शील अथवा चरित्र पाताल में भी धंस जाए तो भी 'अर्थ' अर्जन करने में कोई कोताही नहीं बरतना चाहिए'। 'अर्थ' के बिना समस्त गुण व्यर्थ है। इसीलिए राजनेता हो या फिल्मी दुनिया वाले, उद्योगपति हो या व्यापारी, सभी येन-केन-प्रकारेण अर्थ को ही अपने कल्याण का 'मूल' मानते हैं और इसे ही प्राथमिकता में रखते हैं।

छात्र यहीं नहीं रुका और बोला--'आप देखिए सरकार में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विभाग यदि किसी को माना जाता है तो वह है 'वित्त' विभाग यानी अर्थ का, धन का विभाग। सभी जनप्रतिनिधियों की नजरें उसी पर होती है। यदि प्रशासनिक हल्के की बात करें तो सबसे महत्वपूर्ण विभाग 'रेवेन्यू'। इसका तात्पर्य ही है अर्थ प्राप्त करना और संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र अर्थ के लिए ही तो काम कर रहा है।पूरी दुनिया 'राजस्व' से अर्थात् 'अर्थ' से जुड़े हुए लोगों को ही सलाम करती है। आप स्वयं देखिए सरस्वती की साधना करने वाले शिक्षक गौण है उन लोगों के समक्ष जो कि निरंतर धन के लिए यानि 'अर्थ' के लिए प्रयासरत रहते हैं। इन सब स्थितियों में देखा जाए तो हर व्यक्ति पैसे के पीछे ही भागता नजर आ रहा है। सही है ना सर? अरे ! व्यक्ति ही क्या सम्पूर्ण पृथ्वी ही धन याने 'अर्थ' के पीछे भागती सी लगती है। अब मैंने 'द अर्थ मूव्स अराउंड द अर्थ' लिख दिया तो इसमें क्या गलत कर दिया ?'

मास्टर जी सरस्वती के उपासक होते हुए भी यह भलीभांति जानते थे कि उनके आसपास का हर हाथ,हर पैर, हर माइंड, यहां तक कि सम्पूर्ण परिवेश 'अर्थ' के पीछे भाग रहा था। उन्हें स्वयं भी कई बार ब्याज में पैसे उधार लेने पड़ते थे क्योंकि उनका माइंड इस अर्थ की महत्ता को समझ नहीं पाया था।वे छात्र के अकाट्य और विशुद्ध व्यवहारिक तथ्यों को काट नहीं पाये। उन्हें लगने लगा कि विद्या अर्जन का अंतिम उद्देश्य अर्थोपार्जन ही तो है। हारकर उन्होंने मान लिया कि वास्तव में आजकल अर्थ याने 'पृथ्वी' सूर्य की जगह 'अर्थ' याने धन के आसपास ही घूम रही है और वह स्वयं इस बात का अर्थ भले ही न जाने पाए हों,या इसे सही नहीं मानते हों परंतु वर्तमान जनरेशन इस तथ्य का अर्थ भलीभांति समझ रही थी। 'अर्थ' का महत्व समझने का अर्थ। समय के साथ चलने का अर्थ।

मुद्दा

प्रियंका सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

मणिपुर की जातीय हिंसा, अधिकारियों की अग्नि परीक्षा

मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा 3 मई, 2023 को भड़क उठी। इस संघर्ष में 200 से अधिक मौतें हुई और 60,000 लोग विस्थापित हुए। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष की जड़ें मणिपुर के जातीय और ऐतिहासिक संदर्भ में गहराई से जुड़ी हुई हैं। मुख्य रूप से घाटी क्षेत्रों में रहने वाले मेइतेई और पहाड़ी जिलों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच लंबे समय से सामाजिक-राजनीतिक और भूमि सम्बंधी विवाद हैं। राजनीतिक सत्ता, भूमि और सरकारी संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा ने इन समुदायों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। आरक्षण, भूमि स्वामित्व और स्वायत्तता से सम्बंधित नीतियाँ इस टकराव के केंद्र में हैं। आदिवासी और गैर-आदिवासी समूहों को वर्गीकृत करने की ब्रिटिश काल की नीतियों ने विभाजन पैदा किया जो आज भी गूंजता है।

कानून-व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ गई, सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया और हिंसक घटनाएँ सामने आईं। सांप्रदायिक विभाजन ने अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) अधिकारियों के कामकाज को गहराई से प्रभावित किया, जिससे उनके बीच भौगोलिक और मनोवैज्ञानिक बाधाएँ पैदा हुईं, संघर्ष के कारण पहाड़ी और घाटी जिले दुर्गम हो गए। वर्तमान स्थिति सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा परिकल्पित 'स्टील फ्रेम' के लिए ख़तरा है, जिसमें अखिल भारतीय सेवाएँ भारत की प्रशासनिक मशीनरी की रीढ़ हैं। हिंसा और जातीय विभाजन के कारण एस्प्रिट डे कॉर्प्स (अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सम्मान) तनाव में है, जिससे अधिकारियों के बीच सहयोग और विश्वास कमजोर हो रहा है। संघर्ष ने एआईएस अधिकारियों के बीच पारस्परिक सम्बंधों पर गहरा प्रभाव डाला है, सामाजिक आदान-प्रदान और सहयोग दुर्लभ हो गए हैं। नफ़रत फैलाने वाले भाषण, प्रचार और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सार्वजनिक चर्चा के ध्रुवीकरण ने रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के अधिकारियों के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो गया है।

मनोवैज्ञानिक युद्ध, दुष्प्रचार और आर्थिक व्यवधान जैसे गैर-गतिशील तत्वों ने मणिपुर में तनाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाइब्रिड युद्ध के हिस्से के रूप में इन युक्तियों ने जनता के मनोबल और शासन में विश्वास को कम कर दिया है, जिससे कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार आईएएस और अन्य सेवाओं के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती पैदा हो गई है। विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के सिविल सेवकों को अपनी जातीय पहचान के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को संतुलित करने में दुविधाओं का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक अपेक्षाओं और वफादारी का दबाव बनाम प्रशासनिक तटस्थता बनाए रखने की आवश्यकता एक महत्वपूर्ण नैतिक चुनौती प्रस्तुत करती है। कई अधिकारियों को उनकी जातीयता के कारण व्यक्तिगत सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है। सरकारी अधिकारियों को भीड़ द्वारा निशाना बनाए जाने और सुरक्षा की आवश्यकता की रिपोर्टें उनके सामने आने वाले गंभीर खतरों को रेखांकित करती हैं। इससे मनोवैज्ञानिक तनाव पैदा हो गया है और उनके कर्तव्यों को पूरा करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न हुई है।

दुष्प्रचार, घृणास्पद भाषण और भड़काऊ सामग्री फैलाने में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका ने संघर्ष को बढ़ा दिया है। हिंसा और भड़काऊ भाषणों के वीडियो ने समुदायों को और अधिक ध्रुवीकृत कर दिया है, जिससे नागरिक अधिकारियों के लिए कहानी को प्रबंधित करना मुश्किल हो गया है। चुनौतियों के बावजूद, मणिपुर संघर्ष को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) जैसे संस्थानों द्वारा अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले के आधार पर संघर्ष प्रबंधन, सुलह और प्रशासनिक तटस्थता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल और क्षमता-निर्माण कार्यशालाएँ विकसित की जा सकती हैं। इस तरह के केस अध्ययन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर जातीय केंद्रित संघर्षों से निपटने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो संघर्ष क्षेत्रों में शासन की शैक्षणिक और व्यावहारिक समझ में योगदान देंगे।

वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की अवैयक्तिक प्रकृति का लाभ संघर्षग्रस्त राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किया जा सकता है। बैचमेट्स के बीच पेशेवर टीम भावना और राष्ट्रीय एकीकरण के एजेंट के रूप में एआईएस अधिकारियों की तटस्थ भूमिका संघर्षों को हल करने के लिए एक लचीला ढांचा प्रदान करती है। शांति-निर्माण प्रयासों में अधिकारियों को शामिल करने के लिए नवीन कार्मिक प्रबंधन नीतियों का कार्यान्वयन। विभिन्न जातीय समुदायों के अधिकारियों के बीच नियमित आभासी बैठकें बेहतर सम्बंधों को बढ़ावा दे सकती हैं और संघर्ष से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक अलगाव को कम कर सकती हैं। इस तरह के उपाय मणिपुर में उभरे प्रशासनिक सिलोस को तोड़ने में मदद कर सकते हैं, सिविल सेवाओं के भीतर बेहतर सहयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं और शांति प्रक्रिया में योगदान दे सकते हैं। यह संघर्ष भारत में संघीय एकता के महत्व को भी रेखांकित करता है। संचार चैनलों को मज़बूत करने और राज्य और केंद्र सरकारों के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने से भविष्य के संकटों को कम करने में मदद मिल सकती है।

मणिपुर में जातीय हिंसा ने गहरे जड़ें जमा चुके सांप्रदायिक संघर्षों से निपटने में भारत की प्रशासनिक प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालाँकि यह स्थिति अखिल भारतीय सेवाओं की अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, यह संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में शासन के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार और सुधार करने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है। क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवीन नीति उपायों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएएस और अन्य सेवाएँ संकट को एक सीखने के अनुभव में बदल सकती हैं जो भविष्य के संघर्षों में 'स्टील फ्रेम' के लचीलेपन को मज़बूत करती है।

सेहत

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ

सेक्स और विवाह से परे महिला स्वास्थ्य

हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी खबर ने एक बार फिर से समाज की सोच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चेन्नई के एक अस्पताल में एक महिला को सिर्फ इसलिए पैप स्मीयर टेस्ट से इनकार कर दिया गया क्योंकि वह अविवाहित थी। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि समाज अभी भी महिलाओं के स्वास्थ्य को सेक्स और विवाह जैसे मुद्दों से जोड़कर देखता है। एक साइकियाट्रिस्ट और साइकोलॉजिकल एनालिस्ट के रूप में, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि इस तरह की सोच न सिर्फ महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि उनके शारीरिक स्वास्थ्य को भी खतरे में डालती है।

हमारा समाज आज भी महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर पुराने और बेबुनियादी धारणाओं में उलझा हुआ है। जब एक अविवाहित महिला को जरूरी चिकित्सा सेवाओं से वंचित किया जाता है, तो यह एक तरह से उसे उसकी व्यक्तिगत पहचान और स्वास्थ्य के लिए योग्य न मानने जैसा है। यह सोच महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है, जिसमें उन्हें अपराधबोध, शर्मिंदगी और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य को केवल उनकी यौनिकता या विवाहिक स्थिति से जोड़ना न सिर्फ तर्कहीन है, बल्कि उनके मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी बिगाड़ता है। ऐसी घटनाएं महिलाओं में आत्म-संदेह और असुरक्षा की भावना को बढ़ावा देती हैं, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है।

समाज में अभी भी यह धारणा बनी हुई है कि महिलाओं का स्वास्थ्य उनकी यौनिकता और वैवाहिक स्थिति से जुड़ा हुआ है। यह सोच बेहद संकीर्ण और नुकसानदायक है। महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के मुद्दों पर जज करना और उन्हें विवाह या सेक्स के नजरिए से

देखना एक गंभीर समस्या है। इससे उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर बुरा असर पड़ता है और यह उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाता है।

महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर ऐसे भेदभावपूर्ण रवैये का गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्हें लगातार यह महसूस कराया जाता है कि उनका स्वास्थ्य उनके विवाहिक या यौनिक संबंधों पर निर्भर है। यह सोच उन्हें चिंता, अवसाद और मानसिक दबाव में डाल सकती है, जो उनके जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती है।

एक मनोचिकित्सक के रूप में मेरा मानना है कि समाज को इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। महिलाओं के स्वास्थ्य को किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त होना चाहिए। चाहे वे विवाहित हों या अविवाहित, उन्हें बिना किसी भेदभाव के चिकित्सा सेवाएं मिलनी चाहिए। यह सिर्फ उनके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अनिवार्य है।

इस तरह के भेदभावपूर्ण रवैये को रोकने के लिए हमें महिलाओं के प्रति समाज की सोच को बदलना होगा। उन्हें उनके स्वास्थ्य के मुद्दों पर जज करना गलत है। समाज में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव और हिंसा का एक बड़ा कारण यही मानसिकता है। हमें यह समझने की जरूरत है कि महिलाओं का स्वास्थ्य एक मौलिक अधिकार है और इसमें कोई भी पूर्वाग्रह या भेदभाव नहीं होना चाहिए।

समाज को महिलाओं के स्वास्थ्य को सेक्स और विवाह जैसे मुद्दों से ऊपर उठकर देखना होगा। यह सिर्फ उनके शारीरिक स्वास्थ्य का सवाल नहीं है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य का भी मुद्दा है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं को उनकी चिकित्सा जरूरतों के आधार पर सम्मान मिले, न कि उनकी विवाहिक या यौनिक स्थिति के आधार पर। एक साइकियाट्रिस्ट के रूप में, मेरा मानना है कि इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने और ठोस कदम उठाने की सख्त जरूरत है, ताकि महिलाओं को समाज में बिना किसी भेदभाव के उनका हक मिल सके।

तुम्हीं ने बनाई ये हालत मेरी

हास्य-व्यंग्य

सुरेश सौरभ

मैं बड़े पोस्ट ऑफिस की लाइन में लगा हूं। मुझे अपनी कुछ पुस्तकें लेखकों, समीक्षकों को रजि. डाक से भेजनी हैं- आज लाइन कुछ लंबी ज्यादा ही है। लाइन के पीछे लोगों के लिए एक आराम दायक लंबी फैंसी बेंच पड़ी है। लोग उस पर आराम फरमा रहे हैं-लाइन कम होने के इंतजार में। उसी लंबी सीट पर एक सज्जन के हाथ में स्मार्ट मोबाइल है- वह रीलें देखते हुए खों खों खों हंस रहे हैं, गाना बजा..तुम्हीं ने बनायी ये हालत मेरी... वे मुस्कुरा रहे हैं-उनके चेहरे पर शरारत के अनेक भाव उछल-कूद मचा रहे हैं... तभी गाना बजा छत पर सोया था बहनोई...खों-खों-खों...मस्त होकर वह हंस रहे है, दुनिया जहान से बेफिक्र होकर बंदे की उंगलियाँ मोबाइल स्क्रीन पर बराबर ताकधिनाधिन कर रहीं है.. तभी एक संगीतमय चुटकुला बजा...आप ने किसी का उधार लिया है, सौ रुपैया भी और इस जन्म में उसे वापिस नहीं कर पाये, तो अगले जन्म में उसे, कुत्ता, बिल्ली, गधा बना कर वापिस करना पड़ेगा.. हीं हीं हीं...वह हंस रहा है।

पब्लिक लाइन में लगी-लगी हैरान परेशान है, पर वह बंदा आभासी दुनिया में विचरण करते हुए स्वर्गीय आनंद प्राप्त कर रहा है। उसके चेहरे पर निश्चिंतता के भाव स्थाई रूप से गझिन-गझिन उगे हैं। उसने आगे वीडियो स्किप किया, अब रील में गाना बज रहा है-आज की रात मजा हुस्न का आंखों से लीजिए...उसकी नशीली आंखें चीलों जैसी शैतानी आंखों की तरह मोबाइल स्क्रीन पर बराबर नाच रहीं हैं-मूछों में शरारती सावन झूम रहा है। मचल रहा है। उसके पास में ही, शांति से बैठी एक संभ्रांत घर की महिला अपना मुंह दूसरी ओर घूमा कर शून्य में कुछ ताक रही है, उसके चेहरे पर विषाद की कुछ लकीरें बन रही हैं, बिगड़ रहीं हैं,उन लकीरों की भाषा को, डाकखाने की विंडो के अंदर बैठे पढ़े-लिखे लोग और बाहर लाइन में लगे संभ्रांत लोग नहीं पढ़ पा रहे हैं, क्योंकि उन लकीरों की भाषा को पढ़ने की सिफत हम सब स्कूल कालेज में कब की छोड़ आए हैं। कब की भूल आए हैं, जिसे याद करने की हमें तनिक भी अब फुरसत नहीं, ...उसके मोबाइल पर रील चल रही है, और जिस पर एक भोजपुरी फूहड़ कटपीस गाना बज रहा है।

विश्व राजनीति

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

आसियान समिट में मोदी का दो टूक संदेश

आसियान समिट में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ग्यारहवीं बार भाग लिए. 10 वर्ष पहले उन्होंने भारत के 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी की घोषणा की थी, तो बहुत चर्चा हुई थी। अब एक दशक बीत चुका है. इस नीति ने भारत और आसियान देशों के संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है, इसमें कोई दो मत नहीं है। 10 वर्षों में आसियान क्षेत्रों के साथ भारत व्यापार दोगुना होकर 130 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है. इस महासम्मेलन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि 21वीं सदी एशियाई सदी भारत और आसियान देशों की सदी है। आज जब विश्व के कई हिस्सों में संघर्ष और तनाव की स्थित है, तब भारत और आसियान की मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग बहुत ही महत्वपूर्ण है।

आसियान देशों के बीच एक बड़ी समस्या यह है कि देश मतभेद और मनभेद के साथ आगे बढ़ रहे हैं जाहिर भले न करें। ईस्ट एशिया पॉलिसीज पर यदि काम हुआ होता, सभी देश मिलकर अपने आपसी तनाव को दूर करते तो शायद ईस्ट एशिया में समन्वय व सामंजस्य की स्थितियां कुछ और होतीं। यद्यपि इन सबके बीच भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी बहुत ही सकारात्मक भाव से अपनी बात कहने से नहीं चूके। उन्होंने अपने समापन वक्तव्य में सबके सामने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी कि डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमने जो दो संयुक्त वक्तव्य अपनाए हैं, वे आने वाले समय में हमारे सहयोग के मार्ग को प्रशस्त करेंगे। आपके सहयोग से भारत और आसियान संबंधों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

आसियान का नया संयोजक देश फिलीपीन्स बना है. अब अगली बार फिलीपिंस में आसियान के लोग इकठ्ठा होंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने यह विश्वास जताया कि मुझे विश्वास है कि हम मिलकर दो बिलियन लोगों के उज्जवल भविष्य और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए इसी तरह काम करते रहेंगे। अब दो बिलियन लोगों के बारे में बात कर लेते हैं। दो बिलियन लोग ज्यादा सुखी नहीं हैं। गरीबी भी यहाँ है, भुखमरी भी है। आपदा प्रबंधन ठीक नहीं है. डिजिटलीकरण की बात हर मंच से हो रही है लेकिन सच यह है कि इन दो बिलियन में कुछ मिलियन ऐसे भी हैं जो अँधेरे में हैं अर्थात उनके यहाँ तक अभी विद्युत नहीं पहुंची है।

आसियान के इस मंच पर इन बड़ी मुश्किलातों के साथ जिन बातों पर ज्यादा ध्यान देना ज़रूरी है वह है प्रति व्यक्ति आय और न्याय। हम जानते हैं कि मानवाधिकार के बहुत मसलें आसियान देशों में चर्चा के केंद्र में रहे हैं। ऐसे में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सबके सामने सकारात्मक बात करना ठीक है लेकिन स्थितियां यदि आसियान के सभी सदस्य देश ठीक करेंगे तभी ठीक होंगी।

सात आसियान देशों के साथ सीधी फ्लाइट कनेक्टिविटी भारत की है. तिमोर-लेस्ते में भारत ने नया दूतावास खोला है। आसियान क्षेत्र में सिंगापुर पहला देश था, जिसके साथ भारत ने फिनटेक कनेक्टिविटी स्थापित की और अब ये सफलता अन्य देशों में भी दोहराई जा रही है। 300 से अधिक आसियान छात्रों को नालंदा विश्वविद्यालय (भारत) में स्कॉलरशिप का लाभ मिला है। नेटवर्क ऑफ यूनिवर्सिटीज शुरू किया गया है। लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार और इंडोनेशिया की साझी विरासत और धरोहर के संरक्षण के लिए काम किया गया है। कोविड महामारी हो या फिर प्राकृतिक

आपदा, मानवीय दायित्त्व उठाते हुए हमने एक-दूसरे को सहायता दी गयी है। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी फंड, डिजिटल फंड और ग्रीन फंड स्थापित किए गए हैं। भारत ने इनमें 30 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में लगभग यह सब बातें की है। इसके पीछे मंशा समझिए प्रधान मंत्री की। वह चाहते हैं कि आसियान विश्व में अपना एक नया कीर्तिमान स्थापित करे। सबमें साझेदारी की भावना शुरू हो। सभी आसियान देश एक-दूसरे के विश्वास को जीतते हुए आगे बढ़ें। यह एक सकारात्मक नेतृत्व के धनी नरेंद्र मोदी की आत्मीय पहल है जो सचमुच दो बिलियन लोगों के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं। वह चाहते हैं आसियान देश द्विपक्षीय, बहुपक्षीय संबंधों को मजबूत करें और साझी रणनीति के साथ पूरब की ओर देखो की पॉलिसीज को लागू करें। उनके मन में अखंड शांति की कामना है इसलिए उन्होंने साफ शब्दों में कह दिया कि हम शांतिप्रिय देश हैं। एक दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रुभता का सम्मान करते हैं और अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं।

दक्षिण पूर्व एशिया-भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप को जोड़ने वाली मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी और आर्थिक गलियारा स्थापित करना ज़रूरी बात यह है कि आसियान भागीदारों के साथ भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक चाहता है। डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत फंड बनाया है तो डिजिटल परिवर्तन और वित्तीय कनेक्टिविटी के लिए भी भारत पहले से ही प्रतिबद्ध है। ज्ञान भागीदारी, वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को बहुपक्षीय सहयोग भी करने के लिए भारत आह्वान कर चुका है। मिशन लाइफ पर मिलकर काम करने, जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती और गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध कराने, आतंकवाद, आतंकी वित्तपोषण और साइबर-दुष्प्रचार के खिलाफ सामूहिक लड़ाई लड़ने, आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के गठबंधन में शामिल होने और आपदा प्रबंधन में सहयोग करने, समुद्री हिफ़ाज़त, सुरक्षा और क्षेत्रीय जागरूकता पर अधिक सहयोग करने और समुद्री सहयोग व खाद्य सुरक्षा के मामले को गंभीरता से लेने की प्रतिबद्धता वाला देश भारत यह चाहता है कि आसियान पूर्वी एशिया के लिए मददगार साबित हो और वैश्विक स्तर पर भारत को साथ लेकर चले और विश्व का कल्याण करे।

यह एक विशिष्ट पहल भारत की ओर से जो आसियान के बारे में की जा रही वह ऐतिहासिक है और निश्चय ही भारतीय जनमानस के गरिमा के अनुकूल भी है। आसियान देशों की ओर से यदि ऐसे सहयोग मिले जिससे भारत आसियान के हर एक व्यवस्था में अहम् भूमिका निभाते हुए एक गतिशील विश्व व्यवस्था कायम करने में सहयोगी साबित होगा तो निश्चय ही यह भारत के लिए और विश्व के लिए अच्छी बात होगी। बड़े व्यापक पैमाने पर इसलिए आसियान के मसले को समाप्त करने की आवश्यकता है और यह कोशिश करनी होगी कि आसियान के देशों में विवाद के मसले हैं और जो चुनौतियाँ हैं, उसे यथाशीघ्र समझ लिया जाए और विश्व को एक नई दिशा दी जाए।

साझी रणनीतियां जो इस वर्ष आसियान के मंच से संज्ञान में लायी गयी हैं वे किसी भी दशा में पूरी करने की कोशिश हो और न्यायपूर्ण विश्व के विकास के लिए प्रयास किए जाएँ. दुनिया के हितों को ध्यान में देने की आवश्यकता है और यह भी समझने की आवश्यकता है कि विश्व किन चुनौतियों की ओर बढ़ रहा है और आसियान देश इन चुनौतियों से निपटने के लिए क्या क्या कोशिश कर सकते हैं। भारत की ओर से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शांति और साझेदारी की पूरी पहल की जो कि अभूतपूर्व आसियान निर्माण के लिए है. यदि सभी इसको समझकर आगे बढ़ेंगे तो सपूर्ण आसियान देशों के हित में होगा।

विधायक ने शाहपुर के एकलव्य विद्यालय पहुंचकर ली मामले की जानकारी

एकलव्य आवासीय विद्यालय के प्राचार्य को लगाई जमकर फटकार

संजय द्विवेदी बैतूल। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शाहपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान चेंजिंग रूम में सीसीटीवी कैमरे लगे होने का मामला सामने आया था। आरोप था कि संस्था के प्रमुख ने जब सीसीटीवी कैमरे का मामला सामने आया, तो हार्ड डिस्क तोड दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार घोड़ाडोंगरी विधायक गंगाबाई उइके और अधिकारियों ने विद्यालय पहुंचकर मामले की विस्तार से जानकारी हासिल की। संस्था प्रमुख से मामले के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। गौरतलब रहे कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शाहपुर में 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इस दौरान चेजिंग रूम में सीसीटीवी कैमरे लगे होने के आरोप लगे थे। यह भी आरोप था कि पंकज सरन और इसके साथियों ने नाबालिक छात्राओं के विरोध के बाद सबूतों को मिटाने के लिए सीसीटीवी कैमरा के डीवीआर की दोनों हार्ड ड्राइव को नष्ट करने तोड दी। परंतु जब यह सूचना स्थानीय जनप्रतिनिधियों के पास पहुंची, तब इसको लेकर मामला गरमा गया और यह शर्मनाक घटना बाहर आई। स्थानीय भाजपा नेता अमित महतो द्वारा इस जघन्य कार्य को लेकर संस्था प्राचार्य से चर्चा की गई।

विधायक ने जताई नाराजगी- इस मामले को लेकर विधायक एकलव्य आवासीय विद्यालय पहुंची।

उन्होंने विद्यालय का निरीक्षण किया। इसके बाद प्राचार्य पंकज शारण को जमकर फटकार लगाई। विधायक ने कहा कि इतना बड़ा कायक्रम यहां आयोजित किया गया, लेकिन विधायक होने के नाते उन्हें सूचित तक नहीं किया गया। उन्होंने प्रबंधक से सवाल किए कि जब चेंजिंग रूम में सीसीटीवी कैमरे लगे थे तो छात्राओं को यहां कैसे रूकवाया? उन्होंने कहा कि सीसीटीवी में कोई महत्वपूर्ण जानकारी भी हो सकती है। सीडीआर नष्ट करने से सारी जानकारियां दफन हो गई। इसके बाद विधायक ने प्राचार्य, क्षेत्र के बीआरसी और बीईओ के साथ आधे घंटे चर्चा कर मामले की जानकारी हासिल की। पूरे समय विधायक के तेवर तीखे होने से अधिकारियों में हडकंप मचा रहा।

इनका कहना है -

सीडीआर नष्ट करने के मामले में कोई लिखित जानकारी नहीं मिली है। विधायक ने महिला एसआई को बुलाया जरूर था, लेकिन इस तरह के कोई निर्देश नहीं दिए है।

- मयंक तिवारी,
एसडीओपी, शाहपुर

एकलव्य आवासीय विद्यालय के प्राचार्य और सहायक आयुक्त पर कार्रवाई की मांग

युवा आदिवासी विकास संगठन ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शाहपुर में सीसीटीवी कैमरों का विवाद बढ़ता ही जा रहा है। युवा आदिवासी विकास संगठन ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए इस गंभीर मामले पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने ने बताया कि इस घटना से आदिवासी छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला तब प्रकाश में आया जब विद्यालय में आयोजित संभाग स्तरीय साहित्य प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने चेंजिंग रूम में सीसीटीवी कैमरे देखे। यह घटना तब हुई जब छात्राएं प्रतियोगिता के दौरान कपड़े बदलने के लिए विद्यालय के एक कक्ष में गईं। कपड़े बदलने के बाद उन्होंने वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा और तुरंत विद्यालय के स्टाफ को सूचित किया। प्राचार्य ने जब यह सुना, तो कथित रूप से उन्होंने पूरी हार्ड डिस्क को नष्ट कर दिया। छात्राओं ने इस घटना पर गहरी नाराजगी जाहिर की और इसे गंभीर लापरवाही करार दिया। इससे पहले भी विद्यालय विवादों में घिरा रहा है। कुछ समय पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बाहरी लोगों के प्रवेश और डांस के वीडियो सामने आए थे, जिससे काफी बवाल मचा था। इस बार भी प्राचार्य और सहायक आयुक्त की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। युवा आदिवासी विकास संगठन ने कलेक्टर से मांग की है कि इस गंभीर मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। संगठन के जिला महासचिव रामदास उइके ने कहा कि प्राचार्य और सहायक आयुक्त की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इस मौके पर उपस्थित संगठन के अन्य सदस्यों सुनील कवडे, महेश भलावी, आशीष उइके, और जगन्नाथ उइके ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग की।

खाद्य विभाग ने लिए 14 सैंपल

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों से सैंपल लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत

अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन श्री शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने टीम के साथ प्रभातपट्टन एवं शाहपुर में स्थित होटल तथा दुकानों का औचक निरीक्षण कर 14 सैंपल लिए। इस दौरान प्रतिष्ठानों, दुकानों के लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की भी जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने निरीक्षण में संचालकों को रख-रखाव की समझाइश दी। खाद्य विभाग से शशि भारतीय ने प्रभात पट्टन में नमकीन के 5, मिठाई के 4 इस प्रकार कुल 9 सैंपल तथा शाहपुर से मीना कुमरे मिठाई के 2, पनीर के 1, खोवा के 1, बिस्कुट के 1 इस प्रकार कुल 5 सैंपल लिए। लिए गए सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

देवर की हत्या करवाने वाली भाभी गिरफ्तार

बैतूल। मामूली झगड़े पर देवर की हत्या करवाने वाली महिला को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने अप्रैल 2024 में देवर की हत्या करवाकर उसका शव जलवा दिया था। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, वहीं उक्त महिला फरार थी। जिसने दो लोगों को महज दो हजार रुपए में अपने देवर की हत्याके लिए सुपारी दी थी। पुलिस ने बताया कि 27 अप्रैल को कोतवाली थाना के मलियाढाना में किसान श्यामा उईके के खेत की बंधिया के नीचे एक शव जला हुआ मिला था। मामले में मृतक की शिनाख्त 6 महीने बाद डीएनए परीक्षण के बाद शंकर के रूप में हुई थी। कोतवाली पुलिस ने पांच दिन पहले मामले का खुलासा करते हुए संदीप दहीकर निवासी बर्रा कास्या, थाना झल्लार और नीलेश चौहान को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामले की मुख्य आरोपी और पूरी साजिश रचने वाले मनीता दहीकर फरार थी। जिसे पुलिस ने ताप्ती नदी के पास दादूढाना जोड़ से गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में टीआई देवकरण डेहरिया ने बताया कि मामले में एसआई राकेश सरेयाम, चित्रा कुमरे, ब्रिजेश रघुवंशी, निर्मला, लीमा मरकाम एवं साइबर सेल की टीम की विशेष भूमिका रही।

दृष्टिबाधित-दिव्यांग बच्चों की प्रदर्शनी कल

न्यू बैतूल स्कूल में बच्चे की होगी कार्यशाला

बैतूल। न्यू बैतूल हाईस्कूल प्रबंधन समिति के सचिव मोहित गर्ग ने बताया कि दिव्यांग एवं दृष्टिबाधित बच्चों के द्वारा बनाई गई दीयो की प्रदर्शनी का आयोजन कल कोतवाली थाने के पीछे

स्थित न्यू बैतूल स्कूल कोठीबाजार में किया जाएगा। श्री गर्ग ने बच्चों की कला को प्रोत्सहित करने और उसका उत्सावर्धन करने की लोगों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों द्वारा बनाई गई इन कलाकृतियों को क्रय कर उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान करें। गौरतलब हो कि जय नारायण सर्वोदय विद्यालय समिति घरौंदा केन्द्र करजगाँव के दिव्यांग और दृष्टिबाधित बच्चों ने अपने हाथों से दीपावली के लिए सुन्दर दीपक एवं रांगोली निर्मित की है। बच्चों के द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को क्रय कर दिव्यांग बच्चों के जीवन को रोशन करने की सभी से अपील की गई है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने चलाया प्रशिक्षण

बांस और शिल्प निर्माण सीख रहीं महिलाएं

बैतूल। राष्ट्र को विकसित बनाना है तो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसी उद्देश्य को लेकर ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) निरंतर प्रयास कर रहा है। इसी तारतम्य में सेंट्रल बैंक की संस्था आरसेटी द्वारा भारत भारती में प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। इस मौके पर

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया होशंगाबाद महाप्रबंधक रजत मिश्रा का आरसेटी में आगमन हुआ। जिसमें आरसेटी में चल रहे बांस एवं शिल्प निर्माण प्रशिक्षण की 25 महिला प्रशिक्षणार्थियों को उत्साहवर्धित किया एवं प्रतिभागियों को आगे बढ़ने और स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया एवं बीसी सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम में उपस्थिति हुए। जिसमें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक एके सिंह, सीनियर मैनेजर सौरभ कुमार, आरसेटी निदेशक मंजूषा आठवले एवं आरसेटी का समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

हर घर दिवाली अभियान में प्रत्याशा आनंद क्लब बनेंगे सहयोगी

बैतूल। प्रत्याशा आनंद क्लब बैतूल एवं द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के राज्य आनंद संस्थान के आह्वान पर हर घर दिवाली अभियान की शुरुआत की जा रही है। प्रत्याशा आनंद क्लब की अध्यक्ष सुश्री तूलिका पचौरी ने कहा कि राज्य आनंदम संस्थान अपने कार्यक्रमों में मदद को प्रोत्साहित करता है, जिसमें अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं को दूसरों के प्रयोग के लिए देते हैं। दीपावली का पर्व मदद की अवधारणा को अपनाने का एक बेहतर अवसर प्रदान करता है, इस संदर्भ में हर घर दिवाली अभियान का संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत आनंदको के सहयोग से नगर में लोगों से संपर्क कर उनसे आग्रह किया

जाएगा कि वह अपने शहर से विभिन्न बस्तियों में रहने वाले घरों में भी दिवाली का पर्व अच्छे से मना सके इसके लिए उन्हें अपने घरों या अन्य स्रोत से अतिरिक्त सामग्री प्रदान कर सकें ऐसी वस्तुओं को अपने निकट के आनंदम आंगनबाड़ी केंद्र नेकी की दीवार में छोडने का नागरिकों एवं संगठनों से अनुरोध किया जा रहा है। जिनके घर में जो भी वस्तुएं ज्यादा है उन वस्तुओं को वह उन लोगों के लिए दे सकते हैं जिनके घर में उन चीजों का अभाव है। दिवाली के अवसर पर साफ सफाई के दौरान बहुत सा सामान हर घर से ऐसा निकलता है जो घरों में आवश्यकता से अधिक होता हैं, वह ऐसी वस्तुएं जैसे कपड़े, बर्तन, बच्चों के खिलौने, कुर्सी, टेबल, अलमारी, सोफा सेट इत्यादि, यह सामान हम आनंद आंगनवाड़ी केंद्र (विकास वार्ड केसर बाग के पीछे) में ले जाकर दे सकते हैं ताकि यह वस्तुएं उन लोगों तक पहुंचाई जा सके, जिन्हें उनकी आवश्यकता है। श्रीमती निमिषा संजय शुक्ला ने कहा कि ऐसा नहीं है कि आप पुरानी वस्तुएं ही दे सकते हैं आप नए कपड़े, स्वेटर, साल, पटाखे, मिठाई, रंगोली, दिये आदि के छोटे-छोटे पैकेट भी बना कर दे सकते हैं।

दिसंबर माह के अंत तक हर घर नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त करें

कमिश्नर श्री तिवारी ने मीटिंग में अधिकारियों को दिए निर्देश

बैतूल। बैतूल कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त के. जी. तिवारी ने गुरुवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि दिसंबर माह के अंत तक जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र के हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त करें। बैठक में कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन के अलावा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम के अधिकारी तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी मौजूद थे। संभाग आयुक्त श्री तिवारी ने बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल योजनाओं को पूर्ण करने का प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित करें तथा युद्ध स्तर पर कार्य कर हर परिवार के घर में शुद्ध जल पहुंचाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि इस योजना में धनराशि की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जल जीवन मिशन की प्रगति की प्रतिदिन नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बैतूल जिले के कुल 1338 ग्रामों के 266019 परिवारों में से 220173 परिवारों के घरों में नल से जल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इस तरह जिले में इस योजना के तहत उपलब्धि कुल 82.77 प्रतिशत है।

कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि अब जिले में केवल 45846 घरों में नल कनेक्शन दिए जाना शेष है। संभाग आयुक्त श्री तिवारी ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए के प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सड़क विकास निगम या लोक निर्माण विभाग की जो सडके पेयजल योजनाओं के कारण खोद दी गई हैं, उनकी तुरंत रिपेयरिंग कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को खराब सडकों के कारण होने वाली परेशानी से मुक्ति मिल सके। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामों में पेयजल योजना संबंधी निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए वन विभाग की अनुमति चाहिए, वहां वन विभाग के अधिकारियों को आवेदन प्रस्तुत कर विधिवत अनुमति लें। कमिश्नर श्री तिवारी ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी से कहा कि जिन ग्रामों में पेयजल योजनाओं के अधिक कार्य लंबित है वहां अन्य विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी भी मॉनिटरिंग के लिए लगाई जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में बताया कि जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा नियमित रूप से की जाती है, तथा समय-समय पर पेयजल योजनाओं के निरीक्षण के लिए दौरे भी नियमित रूप से किया जा रहे हैं। उन्होंने कमिश्नर श्री तिवारी को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन की टीम दिसंबर माह के अंत तक दिए गए लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी।

होम्योपैथिक अस्पताल में डॉक्टर की नियुक्ति

होम्योपैथिक उपचार के प्रति बढ़ा विश्वास

बैतूल/ भौरा। वर्षों से नगर के शासकीय होम्योपैथिक अस्पताल में डॉक्टर न होने से यह अस्पताल केवल नाम मात्र का बनकर रह गया था। अधिकतर लोग एलोपैथिक उपचार की ओर झुकाव रखते थे, और होम्योपैथिक चिकित्सा को महत्वहीन समझते हुए इसे कारगर नहीं मानते थे। अस्पताल में सिर्फ एक कंपाउंडर के भरोसे उपचार होने के कारण होम्योपैथिक चिकित्सा का भरोसा भी टूटने लगा था। हाल ही में शासन द्वारा डॉ. कंचन वर्मा की नियुक्ति से स्थिति में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। डॉ. वर्मा की विशेषज्ञता, उपचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और मरीजों के लिए उनके समर्पण ने स्थानीय लोगों में होम्योपैथी के प्रति नया विश्वास जगाया है।

मरीज, जो पहले केवल एलोपैथिक उपचार को ही कारगर मानते थे, अब होम्योपैथिक चिकित्सा को भी आजमा रहे हैं और इसका लाभ उठा रहे हैं। डॉ. कंचन वर्मा ने कहा, होम्योपैथी एक प्रभावशाली और सुरक्षित चिकित्सा प्रणाली है जो न केवल बीमारी के लक्षणों को बल्कि उसकी जड़ को भी उपचारित करती है। मेरा उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक इस चिकित्सा का लाभ पहुंचाना है, ताकि वे लंबे समय तक स्वस्थ रहें। डॉ. वर्मा के आगमन से अस्पताल की ओर लोगों का रुझान बढ़ा है, और अब लोग नियमित रूप से होम्योपैथिक उपचार के लिए अस्पताल आने लगे हैं। डॉ. कंचन वर्मा की नियुक्ति के बाद से अस्पताल में मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अब लोग सिर्फ सामान्य बीमारियों के लिए ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और जटिल रोगों के उपचार के लिए भी होम्योपैथिक चिकित्सा को अपना रहे हैं। नागरिकों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि होम्योपैथिक अस्पताल में इसी प्रकार सुविधाएं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बनाए रखी जाए, ताकि इस चिकित्सा पद्धति का लाभ निरंतर मिलता रहे।

जिलास्तरीय कराते प्रतियोगिता में 200 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाया दम

14वीं जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने जीते गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल

बैतूल। जिले में कराते के प्रति जुनून और प्रतिस्पर्धा को देखते हुए 14वीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय गाढ़ाघाट बैतूल में किया गया। जिला कराते एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सुनील पवार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले के 200 से अधिक कराते खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाडियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। प्रतियोगिता का शुभारंभ 23 अक्टूबर 2024 को सुबह 10 बजे किया गया, जो शाम 5 बजे तक चला। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश कराते एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहान राजेंद्र सिंह तोमर, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरीश गढ़ेकर और विशिष्ट अतिथि सिंहान ओमकार महोबे, सेल्फ डिफेंस ऑफ़ इंडिया कराटे के टेक्निकल डायरेक्टर सिंहान सिसोनकर आर. तारन बैतूल जिला सचिव सिंहान रमेश धुर्वे, कोषाध्यक्ष सियाराम वट्टी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कराते जिला कोच महेंद्र सोनकर ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य विक्रम सिंह राजपूत ने की।

गुरूवार को पलकमती नदी राज्य मार्ग पर लगा जाम, प्रत्यक्षदर्शियों ने सुनाई पक्ष-विपक्ष को खरी-खोटी

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र निर्मित होने के बाद क्षेत्र की जनता-जनार्दन को लग रहा था कि क्षेत्र की विकराल समस्याओं से निजात मिल जाएगा। लेकिन सब मुंगेरीलाल के सपने ही लोगों ने देखें हैं। हालांकि कुछ नवधनाढ्यों की संख्या वरदहस्त के कारण बढ़ गई है।जो हमेशा चर्चा का विषय रहते हैं। अब बात की जाए नगर के मध्य बसे सोहागपुर की। बरसों से नर्मदापुरम पिपरिया राज्य मार्ग 22 के पलकमती नदी पुल लगने वाले जाम की। यहां आए दिन जाम की स्थिति बनना सामान्य बात है। लेकिन यदि सोहागपुर में बाजार का दिन गुरुवार आ जाए तो जाम से जुझते लोग कोसने के सिवाय कुछ नहीं कर सकते।आज भी पलकमती नदी पुल से हार्वेस्टर निकले के चक्कर में करीबन आधे घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। रघुवंशीपुरा से लेकर एस एस मार्ट तक वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। जिसमें चार पहिया वाहन,

दो पहिया वाहनों के अलावा पैदल चलने वाले तक परेशान होते रहे। बाद में रेंग रेंग कर वाहन चल रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने प्रशासन से इस विकराल समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने जनप्रतिनिधियों एवं पक्ष ,विपक्ष के निष्क्रिय नेताओं को खरी-खोटी सुनाई।उल्लेखनीय है कि पलकमती नदी के दोनों तरफ नगर 15 वार्डवासियों रहते हैं।

आधे इस तरफ तो आधे दूसरी तरफ बसे हुए हैं। एक तरफ बैंक, रेलवे स्टेशन, स्कूल, न्यायालय,तो दूसरी तरफ बाजार, किराना,मनहारी कपड़ों आदि की दुकानों के अलावा सब्जी बाजार भी इस तरफ है। वर्तमान में बड़े बड़े वाहनों का आगमन होता रहता है। जब पलकमती नदी की तरफ ये वाहन आते जाते हैं।तो विषम परिस्थिति निर्मित हो जाती है। गुरूवार के दिन सबसे अधिक परेशानी सब्जी खरीदने वाले महिला, पुरूषों को होती जो इस दिन सप्ताह की सब्जी खरीदते हैं।

भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता अभियान के अंतर्गत मिले लक्ष्य को नरसिंहपुर विधानसभा ने किया पूर्ण

कैबिनेट मंत्री नरसिंहपुर विधायक प्रह्लाद सिंह पटेल ने कार्यकर्ता को दी शुभकामनाएं

नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यता अभियान के तहत नरसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। क्षेत्र में 100 प्रतिशत सदस्यता का लक्ष्य पूरा किया गया है, जिसे पार्टी के संगठनात्मक विस्तार के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। इस अभियान के सफल समापन पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच उत्साह देखा जा रहा है कैबिनेट मंत्री और नरसिंहपुर विधानसभा के विधायक प्रह्लाद सिंह पटेल ने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और उनके

समर्पण की सराहना की उन्होंने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान केवल संख्या बढ़ाने का कार्य नहीं है, बल्कि यह पार्टी के मूल्यों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है प्रह्लाद पटेल ने कहा कि यह उपलब्धि कार्यकर्ताओं की मेहनत, टीम वर्क और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है उन्होंने आगे कहा कि नरसिंहपुर की जनता का भाजपा पर विश्वास और समर्थन इस सदस्यता अभियान की सफलता का मुख्य कारण है भाजपा के इस सदस्यता अभियान का उद्देश्य नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ना और पार्टी के संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है पार्टी ने पूरे राज्य में इस अभियान को जोर-शोर से चलाया है, और नरसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में प्राप्त लक्ष्य का 100त्न सदस्यता हासिल होना इस बात का संकेत है कि पार्टी के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है भाजपा के स्थानीय नेतृत्व ने भी इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर विधानसभा में इस तरह की उपलब्धि पहली बार देखी गई है, जो आने वाले चुनावों में पार्टी के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सफलता केवल शुरुआत है,और पार्टी भविष्य में और भी मजबूत होकर उभरेगी। इस प्रकार, भाजपा का सदस्यता अभियान नरसिंहपुर विधानसभा में न केवल संगठनात्मक दृष्टि से बल्कि राजनीतिक रूप से भी पार्टी को और अधिक सशक्त करेगा उक्त जानकारी विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा दी।

शिक्षा विभाग की बैठक में हुई विस्तृत समीक्षा

कलेक्टर ने छात्रावासों में सौ फ़ीसदी प्रवेश करवाने के दिये निर्देश

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने विशेष आवश्यकता वाले बच्चे- सीडब्ल्यूएसएन, ड्रॉप बॉक्स, राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे- एनएएस, एमपी टास्क छात्रवृत्ति आदि के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने समस्त संकुल प्राचार्य तथा बीईओ व बीआरसी को निर्देशित किया कि वे 10 नवम्बर 2024 तक कक्षा पहली में दर्ज सभी विद्यार्थियों के आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र तथा समग्र आईडी का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जन्म प्रमाण पत्र संबंधी समस्याओं के लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी से सम्पर्क कर जन्म प्रमाण पत्र शत प्रतिशत बनाया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने सीडब्ल्यूएसएन विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 50 सीटर छात्रावास में शतप्रतिशत विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाना है। बच्चों के अभिभावकों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर प्रत्येक विकासखंड से कम से कम 10-10 विद्यार्थियों का प्रवेश करने और विद्यार्थियों का चिन्हांकन कर शतप्रतिशत प्रमाण पत्र बनवाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश समस्त विकासखंड स्रोत समन्वयकों को दिये। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित दिव्यांग छात्रावास का समय- समय पर जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया जावे। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि समस्त विद्यालयों की कक्षाओं में अध्ययन के पश्चात पलायन कर चुके विद्यार्थियों की जानकारी ड्रॉप बॉक्स में संकलित करना सुनिश्चित करें। समस्त प्राचार्य एनएसएस के लिए गंभीरता से कार्य करें। कमजोर बच्चों को चिन्हांकित कर वीडियो तथा ऑडियो के माध्यम से अध्यापन का कार्य कराया जावे। मॉक टेस्ट- एक के पश्न पत्र को हल कराते हुए विद्यार्थियों से अभ्यास कराया जावे। हिंदी व गणित विषय पर विशेष अध्यापन का कार्य कराया जावे। साथ ही कक्षा 9 वीं में एनएएस की तैयारी के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा सतत मॉनीटरिंग की जावे। एनएएस की तैयारी के लिए विद्यालयवार, प्रश्नवार डाटा तैयार करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने एमपी टॉस्क छात्रवृत्ति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि छात्र- छात्राओं के एमपी टॉस्क पोर्टल पर शतप्रतिशत पंजीयन का कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। ऐसे विद्यार्थी जिनकी प्रोफाईल नहीं बनाई गई है, उन विद्यार्थियों की जानकारी 25 नवम्बर तक सूचीबद्ध कर प्रस्तुत करने के निर्देश समस्त प्राचार्यों को दिये। उन्होंने सीडब्ल्यूएसएन छात्रों का राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल- एनएसपी पर शतप्रतिशत पंजीयन का कार्य किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश भी बैठक में दिये।

रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण के लिए कलेक्टर द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी

निर्धारित शर्तों का करना होगा पालन

नरसिंहपुर। जबलपुर डिवीजन के इटारसी- जबलपुर खंड पर रेलवे लेबल क्रासिंग नंबर 265, 267, 268, 269 व 270 के लिए अंडरब्रिज के प्रस्तावित निर्माण के पूर्व रेलवे लेवल क्रासिंग बंद करने और करेली- बोहानी रेलवे खंड के मध्य स्थित समपार फाटक क्रमांक 263 पर रोड ओवर ब्रिज बन जाने के पश्चात बंद करने के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने निर्धारित शर्तों का पालन सुनिश्चित करने के आधार पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किये हैं। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गाडरवारा के जांच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए विभिन्न शर्तों का पालन करने के लिए कहा गया है। जारी अनापत्ति प्रमाण पत्रों के अनुसार जिन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है, उनमें ओवरब्रिज निर्माण कार्य के दौरान रेलवे फाटक बंद नहीं किया जावे, यदि फाटक बंद किया जा रहा है, उस स्थिति में वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जावे।

विधायक के भाई ने अव्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन को पत्र लिखा पर विधायक और प्रशासन के कानों पर जूं नहीं रेंगती

नर्मदापुरम। नगर में हत्या, मार-पीट, झगड़ा सट्टा, अवैध शराब बिक्री जा रही चरम सीमा पर है। जो विगत तीन वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही है। परंतु हमें उस पर कुछ नहीं कहना। आवागमन सुचारू रूप से हो सके इसके लिए पुलिस पर यदि कोई जवाबदारी हो तो सक्षम कार्यवाही करवाने का कष्ट करें। हम आपके व्यक्तिगत एहसान मंद रहेंगे। यह पत्र पुलिस अधीक्षक को लिखकर विधायक के बड़े भाई भवानी शंकर शर्मा ने फिर नगरीय कानून व्यवस्था की कलई खोल कर सनसनी फैला दी। 22 अक्टूबर को लिखे गए इस पत्र के पीछे विधायक के बड़े भाई भवानी शंकर का उद्देश्य क्या है वे निशाना किस पर साध रहे इसे लेकर पुलिस महकमे में फिलहाल सुगबुगाहट तो तेज हो गई। विधायक के बड़े भाई पं भवानी शंकर के लिखे इस पत्र से तो झलक रहा कि, प्रशासनिक अधिकारीयों पर विधायक की पकड़ नहीं..? लेकिन यह कैसे संभव हो सकता है कि विधायक की प्रशासनिक अधिकारियों पर पकड़ ढीली है। अगर ऐसा होता तो कलेक्टर के पास इतने अधिकार तो है

कि वो जाली दस्तावेज प्रस्तुत कर नजूल शीट नं 43 के 15/1 जमीन नामांतरण करवाने के मामले में नर्मदा शिक्षा समिति प्रबंधक को कटघरे में खड़ा कर सके और पुलिस कप्तान के पास नर्मदा शिक्षा समिति प्रबंधक का वह अनुबंध पत्र तो होगा ही जिसमें एसएनजी स्टेडियम जीर्णोद्धार के लिए दिए गए सरकारी अनुदान राशि का संस्था द्वारा कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र नहीं दिए जाने पर विभाग ने अन्य संस्थाओं के साथ नर्मदा शिक्षा समिति से सरकारी पैसा वसूली के लिए आरआरसी जारी करने के लिए तहसीलदार को विभागीय पत्र लिखा था । बहरहाल फ़ैज़ अहमद किदवई और प्रशांत मेहता जैसे दमदार कलेक्टर बहुत कम मैदान पर आ पाते हैं। पर यहां चिंता की बात यह है कि विधायक के बड़े भाई नगरीय व्यवस्था के लिए चिंता जता रहे और विधायक भाई सहित प्रशासन निश्चिंत है..! नगर में वाहन खड़े कर आवागमन रोकने बाबद पुलिस अधीक्षक को लिखी गई शिकायत पर इन बातों का उल्लेख करते हुए उन्होंने शनिवार 19 अक्टूबर को उनके साथ सड़क पर खड़ी घटना का जिक्र करते हुए यातायात प्रभारी का भी जाम में फंसने का हवाला देते हुए स्पष्ट कहा है कि अव्यवस्था से सभी पीड़ित व्यक्ति ज्यादातर चुप रहते हैं या न जाने क्यों हमसे शिकायत करते हैं अतः यह पीड़ा केवल हमारी नहीं अपितु पूरे शहर में रहने वाले अधिकांश नागरिकों की है।

मुख्यमंत्री श्री यादव का आभार,मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को बधाई , प्रदेश अध्यक्ष सुमित्रा देवी अहिरवार

सुबह सवेरे सोहागपुर। प्रदेश मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण समिति संघ प्रदेश अध्यक्ष सुमित्रा देवी अहिरवार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए गए निर्णय से मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता में हर्ष व्याप्त है। आपने मुख्यमंत्री मोहन यादव का आभार व्यक्त करते प्रदेश की मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बहनों को बहुत

बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस संबंध में प्रदेश मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अध्यक्ष श्रीमती अहिरवार ने बताया कि हमारी प्रमुख मुद्दों को लेकर लंबे समय से लड़ाई लड़ते आ रहे थे। इसी संदर्भ में पिछले महीने संगठन की प्रदेश अध्यक्ष माननीय महिला बाल विकास कमिश्नर से मिली थीं। उसका प्रतिफल माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा 22 अक्टूबर को मिनी कार्यकर्ताओं को मेंन केंद्र में बदलने की अनुशंसा कर दी है । इस ऐतिहासिक विजय का श्रेय संगठन से जुड़ी सभी बहनों को जाता है। संगठन में शक्ति होती है ।

आपने आगे बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वर्तमान में संचालित 12 हजार 670 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी केन्द्र में उन्नयन किये जाने का निर्णय लिया गया। इन मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन के बाद एक पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एक पद आंगनवाड़ी सहायिका का होगा। उन्नयित 25 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर एक पर्यवेक्षक के मान से कुल 476 पर्यवेक्षक के पद स्वीकृत किये गए हैं। जिसमें केन्द्र सरकार के निर्धारित मापदंड उन्नयित आंगनवाड़ी केन्द्रों पर लागू होंगे।

अवैध कट्टे से लोगों को डराने वाले आरोपी को दो वर्ष की कैद

नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती ऐश्वर्या जैन के न्यायालय द्वारा अवैध कट्टे से लोगों को डराने धमकाने वाले आरोपी सुमित सोनी, आयु 28 वर्ष निवासी सोनी मोहल्ला चीचची पुलिस स्टेशन चीचली जिला नरसिंहपुर को धारा आर्म्स एक्ट में दोषसिद्ध पाते हुये दो वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि सहायक उपनिरीक्षक अनिल तिवारी थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर में पदस्थ थे, जिन्हें गांधी चौक नरसिंहपुर पर एक मोटर साइकिल चालक द्वारा मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि झिरना से करबला रोड के बीच एक व्यक्ति पिस्टल लेकर आम जनता को धमका रहा है। सूचना के आधार पर सहायक उप निरीक्षक अनिल तिवारी मय हमराही पुलिस बल मौके पर पहुंचे जहां तिराहा के पास स्ट्रीट लाइट की रोशनी में एक व्यक्ति देशी कट्टे के साथ आम लोगों को धमकाते हुए दिखाई दिया पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगाए जिसे पुलिस ने पकड लिया। उसके पास एक देशी कट्टे के साथ बंदूक पाई गई, उसके पास बंदूक रखने का कोई लायसेंस नहीं था। आरोपी सुमित सोनी के कब्जे से उक्त बंदूक एक कार्ड (कार्टस) प्रतिबंधित शस्त्र होने के कारण जप्त कर जप्ती ज्ञापन तैयार किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी सुमित सोनी को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी ज्ञापन तैयार किया गया। मौके पर देशी कट्टे की नाप ली गईए उक्त कट्टे की कीमत 55000 रुपये बताई गई। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध धारा 25ए 27 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध किया गया तथा जांच के दौरान घटनास्थल का नक्शा तैयार कर गवाहों के कथन दर्ज कर संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त सुमित सोनी के विरुद्धए अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी एडीपीओ इंद्रमणि गुप्ता द्वारा की गई।

विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आगामी 10 नवंबर को होगा आयोजन

समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, युवाओं, बुजुर्गों का सम्मान करेगा ब्राह्मण समाज

बैतूल। जिले के ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का आगामी 10 नवंबर 2024 को सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही समाज में सक्रिय प्रतिभावान युवाओं, वरिष्ठजनों को भी सम्मानित किया जाएगा। यह निर्णय सर्व ब्राह्मण समाज की सामूहिक बैठक में बुधवार को लिया गया। यह बैठक बुधवार की शाम दत्त मंदिर सिविल लाइन बैतूल में आयोजित की गई। परशुराम भगवान और दत्तात्रेय भगवान के पूजन के साथ बैठक प्रारंभ हुई। इसके बाद बैठक के संयोजक पंडित कांतु दीक्षित एवं पंडित प्रमोद शर्मा ने बताया कि जिले के सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के बैनर तले आगामी 10 नवंबर 2024 रविवार को दोपहर 2 बजे से द्वारका मैरिज लॉन, तिवारी पेट्रोल पंप के सामने, कालापाठा बैतूल में विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में पंडित संजय पप्पी शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2024 में 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान मेडल और प्रमाणपत्र से इस कार्यक्रम में किया जाएगा। इसके अलावा समाज के ऐसे प्रतिभावान बच्चों एवं युवाओं को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होने राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर कोई विशेष उपलब्धि हासिल की हो या कला आदि अन्य क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल की हो। बैठक में पंडित ब्रजकिशोर टीटू पांडे ने बताया कि ऐसे वरिष्ठजनों को भी कार्यक्रम में बैच लगाकर

व प्रमाण पत्र देकर सम्मान करेंगे, जिन्होंने कोई विशेष उपलब्धि हासिल की हो। उन्होंने बताया कि जिस तरह ब्राह्मण समाज की युवा विंग परशुराम सेना ने वर्ष 2017 में सभी को -बढ़ते कदम अवार्ड-देकर सम्मानित किया था। समाज द्वारा ठीक उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पंडित नरेन्द्र शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ जनों ने समाज के सभी लोगों से अपील की है कि वे आगामी 05 नवंबर तक ऐसे प्रतिभावान लोगों की जानकारी पंडित प्रमोद शर्मा (मोबा. 9425002656) पर आवश्यक रूप से पहुंचा देवें। इसके बाद पंडित कांतु दीक्षित के नेतृत्व में समाज के 10 सदस्यीय वरिष्ठजनों के पैनल द्वारा उसका परीक्षण कर अंतिम चयन सूची तैयार की जावेगी। बैठक के अंत में समाज के वरिष्ठ पंडित नरेंद्र शुक्ला ने बैठक के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया । बैठक में उपस्थित अन्य विप्र बहनों-बंधुओं ने अपने-अपने सुझाव भी रखें। बैठक में अन्य प्रमुख विप्र बंधु ओं-बहनों में अशोक पप्पन मिश्रा, वीरेंद्र पालीवाल, संजय द्विवेदी, महेश शुक्ला, सलिल हरदास, आशीष पचौरी, अंशुल शुक्ला, राकेश रक्कू शर्मा, श्रीभाऊ देशपांडे, विक्रम शर्मा, राजा शर्मा, अंशुल मिश्रा, श्रीराम देव, दीपक पात्रीकर, अनिल दुबे, अनिरुद्ध दुबे, ओम द्विवेदी, प्रशांत साइखेडकर, कुणाल शर्मा, नंदिनी तिवारी, प्रेरणा शर्मा, तरुणा द्विवेदी, नीलम मिश्रा, तूलिका पचौरी, निमिषा शुक्ला, नीलू भार्गव, स्मिता पत्रीकर सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों और गतिविधियों के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि की जानकारी ली।कलेक्टर ने बैठक में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, प्रथम तैमास पंजीयन व चार एएनसी की जांच की गहन समीक्षा की। उन्होंने शहरी क्षेत्र की उपलब्धि न्यूनतम पाये जाने पर एएनएम की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये। जहां एएनएम का पद रिक्त है, उन क्षेत्रों में टीम वर्क के माध्यम से कार्य करवाया जाये और पोर्टल पर शतप्रतिशत एंट्री करवाई जाये। माह में एक बार स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त रूप से सेक्टर बैठक आयोजित कर रिकार्ड का मिलान किया जाये और पोर्टल पर अपडेट किया जाये। जो महिलायें ग्राम में शादी के पश्चात आई हैं, उनका विवाह पंजीयन तत्काल किया जाये। इसके लिए सघन मॉनीटरिंग कर समस्त दस्तावेज प्राप्त करें। बैठक में कलेक्टर ने चांवरपाठा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बरमानखुर्द व बोहानी में प्रथम त्रेमास पंजीयन किये जाने पर एएनएम एवं सीएचओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। प्रत्येक खंड चिकित्सा अधिकारी स्वयं मॉनीटरिंग करें और 15 दिवस में पंजीयन पोर्टल पर शतप्रतिशत एंट्री पूर्ण की जाए। ग्राम की आशा एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता गर्भवती महिला के घर जाकर पूर्व में ही परिवार से बात कर प्रसव की आगामी रूपरेखा तैयार करें और जिस स्थान पर परिवार द्वारा प्रसव कराया जाना है, वहां की एएनएम को सूचित करें एवं बाहर जाने पर समय पर संपूर्ण जॉच भी कराई जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन एवं प्रबंधन, माडरेट एवं सीवियर एनीमिक की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिन क्षेत्रो में पोर्टल पर एंट्री होना शेष रह गई है, जो एएनएम विहिन क्षेत्र है, उनकी एंट्री पोर्टल पर कराने के निर्देश दिए। अनमोल पोर्टल पर गेप होने पर कम्यूनिकेशन के लिए जिला स्तर पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाये। एनीमिक महिला को अगर दूसरी संस्था में सेवायें दी जा रही हैं, तो संस्था की जानकारी एकत्रित कर पोर्टल पर शतप्रतिशत एण्ट्री की जाए। जिले में हुए प्रसवों की ब्लॉकवार समीक्षा के दौरान जिन क्षेत्रों मे घर पर प्रसव हो रहे हैं उन क्षेत्रों में हितग्राही से बात कर प्रसव होने के 07 दिवस पूर्व अस्पताल के बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती कराया जाए। 108 एम्बुलेंस में फोन करने पर लेट आने पर 108 को-ऑर्डिनेटर को रिस्पांस टाईम का डाटा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अगर 108 पर हितग्राही का काल आने पर तत्काल एम्बुलेंस पहुचाई जाए। 108 वाहन परिचालन का लॉगिन एवं पासवर्ड कलेक्टर कार्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय में उपलब्ध कराया जाये, जिससे 108 वाहन परिचालन की सघन मॉनीटरिंग की जाए। बैठक में टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान 5 वर्ष तक के टीकाकरण वाले बच्चों को पोर्टल पर सीएचओ के माध्यम से शतप्रतिशत एंट्री तत्काल की जाए। सीएचओ को ग्राम स्तर पर फील्ड पर भेजा जाए और उनकी पर फॉर्मेट अनुसार डाटा तैयार कर समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। 15 दिवस में 98 प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण किया जा सके, इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जाये। जिन एएनएम द्वारा टीकाकरण सत्र स्थल पर टीकाकरण के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, उन पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाये। बैठक में ग्लोबल पोलियों दिवस का आयोजन प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थाओं में करने के निर्देश दिये।

आयुर्वेद और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य कल्याण पर जिले में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर। आयुष विभाग नरसिंहपुर द्वारा धनवंतरी दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेद और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य कल्याण पर जिले के सभी ब्लॉक में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरत्रा सिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद के सिद्धांत, कार्यस्थल पर आम स्वास्थ्य समस्यायें, आयुर्वेदिक तकनीक के माध्यम से थकान का प्रबंध, ऊर्जा के स्तर को बढ़ाना, उत्पादकता बढ़ाना, ध्यान और योग के माध्यम से तनाव संबंधी नवाचारों का क्रियान्वयन किया गया। कार्यक्रम के लिए डॉ. नमिता सोनी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कार्यक्रम का आयोजन बालक उच्चतर माध्यमिक शाला गाडरवारा, उत्कृष्ट विद्यालय चीचली, हाई स्कूल बिलहरा, चांवरपाठा, पुलिस स्टेशन गोटेगांव, कृषि उपज मंडी करेली, पीएम श्री स्कूल एवं पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित किये गये। कार्यस्थल पर तनाव मुक्ति प्रबंधन के लिए वाय ब्रेक व स्ट्रेस को कम करने के लिए डिमोंस्ट्रेशन सूक्ष्म व्यायाम योग व स्ट्रैचिंग करवाई गई। कार्यक्रम में सभी ब्लॉक के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ व योग शिक्षक मौजूद थे।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

शिवराज मुक्त बुधनी की कोशिश सफल हो पाएगी?

बुधनी विधानसभा सीट पर उप चुनाव के लिए रमाकांत भार्गव को भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने की घोषणा से पहले एक तस्वीर खूब वायरल हुई थी। यह तस्वीर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिवराज सिंह चौहान के परिवार की थी। पिछले गुरुवार यह मुलाकात हुई थी। शिवराज सिंह चौहान के साथ उनकी पत्नी साधना सिंह और दोनों पुत्र कुणाल और कार्तिकेय भी थे। शिवराज सिंह चौहान ने इस मुलाकात की वजह दोनों पुत्र के विवाह के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रण देना बताई थी। यह मुलाकात बुधनी विधानसभा के उपचुनाव के लिए उम्मीदवारी की कवायद के बीच हुई थी। कार्तिकेय चौहान का नाम उम्मीदवारों के पैनल में शामिल था। वे शिवराज सिंह चौहान की राजनीतिक विरासत के एकमात्र दावेदार हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात की तस्वीर सामने आने के बाद ही लगभग यह तय हो गया था कि कार्तिकेय को चुनावी राजनीति के लिए अभी और इंतजार करना होगा। दो दिन बाद पार्टी ने बुधनी सीट पर पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव की उम्मीदवारी की घोषणा कर दी। इस घोषणा के बाद एक और तस्वीर सोशल मीडिया पर आई जिसमें शिवराज सिंह चौहान हाथ में माइक लिए हुए हैं। पास में भोपाल के सांसद आलोक शर्मा, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्णा ठाकुर के अलावा बुधनी के भी नेता बैठे थे। रमाकांत भार्गव भी थे। कार्तिकेय चौहान भी इन नेताओं की साथ ही कुर्सी पर बैठे थे। राजनीति में (खासकर भाजपा)ऐसी तस्वीर कम ही देखने को मिलती है कि पिता के साथ मंच पर बेटा भी वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठा हो।

हिन्दुत्व के समर्थन के अलावा भाजपा परिवारवाद के विरोध की राजनीति भी करती है। शरद पवार से लेकर लालू यादव तक ने अपने निजी प्रभाव से ही क्षेत्रीय राजनीतिक दल खड़े किए है। इस कारण इनके राजनीतिक दलों में परिवार का दबदबा दिखता है। भाजपा की राजनीति से कोई भी ऐसा नेता नहीं निकला जो अपने प्रभाव से क्षेत्रीय राजनीतिक दल खड़ा कर दे। कांग्रेस की राजनीति में परिवारवाद नेताओं की आपसी राजनीति के कारण परंपरा का रूप ले चुका है। इंदिरा गांधी के बाद राजीव गांधी,सोनिया गांधी इसी परंपरा का हिस्सा हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी कांग्रेस के नेताओं की आपसी गुटबंदी के कारण परंपरागत तौर पर पार्टी को संचालित कर रहे है। केरल की वायनाड सीट भी अमेठी, रायबरेली की तरह परिवार की सीट के रूप में बदलती जा रही है। 2019 में राहुल गांधी ने पहली बार वायनाड से चुनाव लड़ा था। 2024 में वे वायनाड के साथ रायबरेली भी लड़े। दोनों जगह से चुनाव जीत गए। राहुल गांधी ने वायनाड की सीट से इस्तीफा दे दिया। उप चुनाव में प्रियंका गांधी परिवार की परंपरा को कायम रखने मैदान में हैं।

बुधनी में कार्तिकेय चौहान टिकट नहीं पा सके तो इसे पीछे एक परिवार से एक ही टिकट देने की भाजपा की नीति का नतीजा माना जा सकता है। कहा जा रहा है कि कार्तिकेय चौहान का नाम पैनल में होने के कारण ही शिवराज सिंह चौहान ने उम्मीदवार चयन की कमेटी में हिस्सा नहीं लिया था। बुधनी में रमाकांत भार्गव का मतलब ही शिवराज सिंह चौहान ही माना जाता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान ने ही रमाकांत भार्गव को विदिशा से उम्मीदवार तय कराया था। 2005 में राज्य के मुख्यमंत्री बनने से पहले शिवराज सिंह चौहान विदिशा से सांसद का चुनाव लड़ा करते थे। 2006 में विदिशा सीट पर हुए उप चुनाव में शिवराज सिंह चौहान के करीबी रामपाल सिंह चुनाव लड़े थे। 2009 और 2014 का चुनाव सुषमा स्वराज ने लड़ा था। सुषमा स्वराज के बाद शिवराज सिंह चौहान ने यह सीट वापस अपनी झोली में डाल ली। अभी शिवराज सिंह चौहान इस सीट से सांसद हैं। बुधनी विधानसभा की सीट विदिशा लोकसभा सीट का ही हिस्सा है।

रमाकांत भार्गव की उम्मीदवारी पर बुधनी के भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी की कई वजह है। नाराजगी का सार्वजनिक इजहार भले ही पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह राजपूत ने किया है। मंगलवार को बुधनी विधानसभा उपचुनाव को लेकर सह प्रभारी बनाए गए पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत भेरूंदा पहुंचे थे। वहां उन्हें कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमें रमाकांत भार्गव जैसा प्रत्याशी मंजूर नहीं है। संगठन ने अपना निर्णय नहीं बदला तो फिर कार्यकर्ता परिणाम बदलने की ताकत भी रखता है। कार्यकर्ताओं ने राजेन्द्र सिंह राजपूत को प्रत्याशी बनाने की मांग भी रखी। नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने के लिए पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत यहां पहुंचे थे। वे सभी को संबोधित कर रहे थे। तभी कार्यकर्ताओं ने उनके सामने कहा कि प्रदेश और केंद्रीय संगठन ने कार्यकर्ता और जनता की भावनाओं का सम्मान नहीं किया है। बैठक में कार्यकर्ताओं के भारी विरोध के कारण रामपाल सिंह राजपूत को भाषण बीच में ही छोडना पड़ा। हालांकि, इस दौरान वे बार-बार उन्हें समझाने का प्रयास करते रहे। लेकिन कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। प्रत्याशी बदलने की मांग पर अड़े रहे। कार्यकर्ताओं ने प्रत्याशी नहीं बदलने पर कांग्रेस के समर्थन में वोटिंग तक करने की बात कह दी। इस हंगामे के बाद दावा किया जा रहा है कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नाराज कार्यकर्ताओं को मना लिया है। भेरूंदा (नसरुल्लागंज) में हुए हंगामे के कई पक्ष हैं। एक तथ्य यह भी है कि नाराजगी जाहिर करने वाले राजेन्द्र सिंह राजपूत पर भी पार्टी की वही नीति आड़े आई जो कार्तिकेय चौहान के टिकट में आई। परिवारवाद विरोधी नीति।

राजेन्द्र सिंह राजपूत के भाई विजय पाल सिंह सोहागपुर से विधायक हैं। राजेन्द्र सिंह राजपूत चाहते हैं कि शिवराज सिंह चौहान चुनाव नहीं लड़ रहे तो उन्हें उनकी पुरानी सीट लौटाई जाए। राजेन्द्र सिंह राजपूत 2003 में बुधनी से विधायक चुने गए थे। शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने यह सीट इस्तीफा देकर खाली कर दी थी। शिवराज सिंह चौहान के वापस केंद्र की राजनीति में चले जाने के बाद बुधनी में राजेन्द्र राजपूत ही नहीं कई और नेता भी हैं जो चुनाव लड़ने की इच्छा रखते हैं। चौहान के मुख्यमंत्री होने के कारण किसी ने भी अपनी महत्वाकांक्षा का उजागर नहीं किया। शिवराज सिंह चौहान ने भी ऐसे नेताओं को अपने पक्ष में बनाकर रखा। अब कार्तिकेय चौहान के चुनावी राजनीति में आने की संभावना से बुधनी भाजपा की नई पीढ़ी को भी अपने भविष्य पर सवालिया निशान दिख रहा है। एक पीढ़ी शिवराज सिंह चौहान के कारण टिकट की दावेदारी नहीं कर पाई थी। इसी कारण भार्गव को निपटाने की बात चल रही है। निशाना शिवराज सिंह चौहान ही हैं।

रमाकांत भार्गव को टिकट दिए जाने के बाद बुधनी के लोग यह तय मान रहे हैं कि 2028 के विधानसभा चुनाव में कार्तिकेय चौहान मैदान में होंगे। बुधनी में जिस तरह से भार्गव का विरोध हो रहा है,उसमें उनकी जीत का आंकड़ा को लेकर कोई भी दावा करने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस उम्मीदवार राजकुमार पटेल के परिवार का भी इस क्षेत्र में प्रभाव है। खुद पटेल 1993 में विधायक बने थे। 1998 में उनके भाई ने चुनाव जीता था। लोकप्रियता के लिहाज से रमाकांत भार्गव राजकुमार पटेल से कमजोर ही पड़ेगें। भार्गव के साथ शिवराज सिंह चौहान हैं, इस कारण ही उन्हें मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। भार्गव को लेकर क्षेत्र में लोगों की नाराजगी भी काफी है। शिवराज सिंह चौहान की किचन कैबिनेट के सदस्य होने के कारण उन्होंने क्षेत्र में किसी नेता की चलने ही नहीं दी। आम आदमी को शिकायत यह भी है कि भार्गव उनकी राम-राम का जवाब भी नहीं देते। ऐसे में असंतुष्ट शिवराज सिंह चौहान के मनाने पर कितने संतुष्ट होते हैं कहा नहीं जा सकता। वैसे कार्तिकेय चौहान कह चुके हैं कि वे बुधनी में उसी तरह से प्रचार करेंगे,जिस तरह उन्होंने विधानसभा के आम चुनाव में किया था।

महाकाल के भस्म आरती दर्शन बिना रुकावट होंगे

भक्तों को रात 2 बजे से सीधे मानसरोवर गेट से एंट्री; दिवाली से पहले नई व्यवस्था

उज्जैन (नप्र)। भगवान महाकाल के भक्तों के लिए अच्छी खबर है। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अब रात भर कतार में नहीं लगना पड़ेगा। उन्हें रात भर मंदिर के बाहर खड़े रहने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। अब भक्तों को रात 2 बजे से सीधे मान सरोवर गेट से एंट्री दी जाएगी।

दिवाली से पहले नई व्यवस्था शुरू हो सकती है। मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ का कहना है कि हम इसे एक-दो दिन में लागू करने जा रहे हैं। महाकाल लोक बनने से पहले महाकाल मंदिर में रोजाना 20 से 30 हजार श्रद्धालु पहुंचते थे। अक्टूबर 2022 में महाकाल लोक बनने के बाद भक्तों की संख्या में चार गुना बढ़ोतरी हो गई। यह संख्या बढ़कर डेढ़ से दो लाख तक पहुंच गई है।

भस्म आरती के लिए तड़के 4 बजे मंदिर के पट खोले जाते हैं। अब भी आम श्रद्धालुओं को मान सरोवर गेट से तो प्रवेश मिल रहा है, लेकिन इसके लिए उन्हें रात 11 बजे से भारत माता मंदिर के पास लाइन में लगना पड़ रहा है। बच्चे-बुजुर्ग सभी 5 घंटे तक लाइन में लगकर पट खुलने का इंतजार करते हैं। मंदिर प्रशासक अब इस व्यवस्था को खत्म करने जा रहे हैं।

5 नहीं, अब सिर्फ 2 घंटे लाइन में लगना होगा

मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ के मुताबिक, दो दिन पहले वे निरीक्षण पर थे। इस दौरान देखा कि रात 11 बजे से कतार में लगने वाले भक्त भस्म आरती में प्रवेश करने के लिए बहुत परेशान होते हैं। उनकी इसी परेशानी को देखते हुए नई व्यवस्था शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि अब रात 2 बजे से महाकाल मंदिर के मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर से लाइन शुरू होगी।

साधु-संतों ने उज्जैन में भी स्थायी आश्रम बनाने के मुख्यमंत्री के निर्णय को सराहा

स्वामी अवधेशानंद जी ने संतों के प्रति संवेदनशीलता के लिए मुख्यमंत्री को दिया साधुवाद

● अखाड़ा परिषद ने निर्णय को बताया विकासोन्मुखी

भोपाल (नप्र)। उज्जैन में वर्ष 2008 में होने वाले वैश्विक सिंहस्थ की तैयारियां राज्य शासन ने अभी से शुरू कर दी है। सिंहस्थ में पूरे देश से आने वाले साधु-संतों से भी उज्जैन की पहचान सदैव से रही है। साधु-संतों के हित में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा स्थायी आश्रम निर्माण के लिए की गई घोषणा को पूरे देश के साधु-संत, महंत, अखाड़ा प्रमुखों और महामंडलेश्वर आदि ने प्रसन्नता व्यक्त कर मुख्यमंत्री की घोषणा को सराहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हरिद्वार में जिस प्रकार साधु-संतों के अच्छे आश्रम बने हुए हैं, उसी प्रकार उज्जैन में भी साधु-संतों के स्थायी आश्रम बनवाने के प्रयास किए जाएंगे। उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से योजना को आकार दिया जाएगा। सभी मूलभूत सुविधाओं के विकास के साथ साधु-संतों के लिए आश्रम निर्माण के कार्य समानांतर रूप से होंगे। समाज के इच्छुक सनातन धर्मावलंबियों के माध्यम से अन्न क्षेत्र, धर्मशाला, आश्रम, चिकित्सा केंद्र, आयुर्वेद केंद्र आदि सार्वजनिक गतिविधियों के संचालन को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा की गई इस महत्वपूर्ण पहल का उज्जैन से लेकर हरिद्वार तक संत समाज ने स्वागत किया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष मां मनसा देवी ट्रस्ट हरिद्वार के अध्यक्ष पंचायती निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत रवींद्र पुरी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्णय को अत्यंत ही महत्वपूर्ण बताते हुए विकास के लिये नये आयाम स्थापित करने वाला बताया है। महांमडलेश्वर और अखाड़ों के प्रमुखों ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की है। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी ने कहा कि सनातन धर्म संस्कृति में चिरकाल से अंतर्निहित 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म नेह नानास्ति किंचन' व 'आत्मवत सर्व भूतेषु' जैसे दिव्य भावों के संपोषक, लोक कल्याणकारी योजनाओं तथा पारमार्थिक प्रवृत्तियों के प्रसारक संत सत्पुरुष ही हैं।

स्वामी अवधेशानंद जी ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार उज्जैन में हरिद्वार की भाँति साधु संतों, महंत, अखाड़ा प्रमुखों, महामंडलेश्वर इत्यादि को स्थाई आश्रम बनाने की अनुमति दी जाना, अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने उज्जैन तीर्थ विकास एवं संतों के प्रति उनकी इस संवेदनशीलता के लिये मुख्यमंत्री को साधुवाद दिया।

पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 आनंद श्री विभूषित अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज (एनवायरमेंट बाबा) ने कहा कि संतों में बड़ा उल्लास और खुशी है। सिंहस्थ क्षेत्र उज्जैन में जो अखाड़ों की जगह है, संतों की जमीन है, उसमें पर्यावरण को बचाते हुए स्थायी निर्माण के लिए सभी संत समाज के लोग उनका स्वागत करते हैं। इससे हरिद्वार जैसा विकास उज्जैन का भी हो जाएगा, जब सभी संत महापुरुषों का वहां आश्रम बनेगा।

राज्यसभा सांसद बाल योगी श्री उमेश नाथ जी महाराज, पीठाधीश्वर वाल्मिकी धाम ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी सूझबूझ और विवेक से अभुतपूर्व और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। कुंभ मेला भारत के चार पवित्र स्थानो पर लगता है उसमें एक अवंतिका पुरी उज्जैन भी है। प्रसन्नता की बात है कि कुंभ, अवंतिका और मध्यप्रदेश के शासनकाल के इतिहास में डॉ. यादव के निर्णय से कुंभ-2028 में देश के उच्च कोटि के महात्मा तंबूओ में न रहकर पक्के आश्रम में रहेंगे।

बाल योगी श्री उमेश नाथ जी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्णय इस लिये लिया है कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया है। डॉ. यादव ने संकल्प लिया है कि 2028 में जो कुंभ आएगा उसमें हम देश के जितने भी निर्धारित अखाड़े हैं, उन सभी अखाड़ों का स्थायी निर्माण करके दिया जाएगा। उसके लिए एक हेक्टेयर के भू-खंड पर 25 प्रतिशत पर भवन निर्माण किया जा सकेगा। शेष भू-खंड अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के लिये खुला रहेगा। उन्होंने सन्यासी होने के नाते देश के तमाम साधु-संतों की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशीर्वाद दिया। आचार्य महामंडलेश्वर श्रीपंचदशनाम आव्हान अखाडा हरिद्वार के अरुण गिरी जी महाराज (अवधूत बाबा), बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज, पीठाधीश्वर वाल्मिकी धाम, (राज्यसभा सांसद), महंत रामेश्वर गिरी महाराज, सचिव श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा, अध्यक्ष, शैव मंडल उज्जैन, पीर रामनाथ जी महाराज, गादीपति, श्री भर्तहरि गुफा, उज्जैन एवं महंत डॉ. रामेश्वर दास महाराज अध्यक्ष रामादल अखाड़ा परिषद उज्जैन ने भी मुख्यमंत्री के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

भोपाल में चार साल की मासूम से ज्यादती

चचेरे भाई ने दिया वारदात को अंजाम, परिवार ने बदनामी के डर से एक महीने मामले को दबाए रखा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिलखिरिया इलाके में रहने वाली चार साल की मासूम के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। वारदात को उसके चचेरे भाई ने अंजाम दिया है। घटना एक महीने पुरानी है। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेजा है। परिजनों को बच्ची लगातार प्राइवेट पार्ट में तकलीफ की शिकायत कर रही थी, तब मां ने पूछताछ की तो बच्ची ने घटना की जानकारी मां को दी। हालांकि परिवार के दबाव में मां समय पर शिकायत दर्ज नहीं करा सकी थी।

पड़ोस में रहता है आरोपी चचेरा भाई- पुलिस के अनुसार 4 साल की बच्ची थाना क्षेत्र में रहती है। उसके पड़ोस में उसके चाचा का मकान है। करीब एक महीने पहले उसका चचेरा भाई उसे खेलने का कहकर अपने घर ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ गलत काम किया। बताया गया है कि आरोपी रिश्ते में होने के कारण पारिवारिक दबाव के चलते थाने में तत्काल शिकायत नहीं की गई।

विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी ने भरा नामांकन, सीएम हुए शामिल

रावत बोले- भाजपा में मेरी घर वापसी, बुधनी में कांग्रेस प्रत्याशी ने भरा पर्चा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की बुधनी और विजयपुर में विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस और भाजपा कैंडिडेट ने नामांकन भरा। विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत ने नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से भाजपा में मेरी घर वापसी हुई है।

रावत का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा से होगा। मुकेश मल्होत्रा भी अपने समर्थकों के साथ नामांकन भरने पहुंचे। इधर, बुधनी में कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने नामांकन दाखिल किया। इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत अन्य नेता पहुंचे। पटेल का मुकाबला भाजपा प्रत्याशी रमाकांत भार्गव से होगा। बता दें कि मध्यप्रदेश की दो सीटों पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा। वहीं 23 नवंबर को इसके नतीजे घोषित होंगे। विजयपुर सीट पर कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत इस्तीफ देकर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसलिए यहां उपचुनाव हो रहा है। वहीं बुधनी में शिवराज सिंह चौहान के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद वहां उपचुनाव हो रहा है।

रावत के नामांकन से पहले हुआ रोड शो- विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत के नामांकन से पहले रोड शो हुआ। इसमें सीएम डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर शामिल हुए। रोड शो विजयपुर सामुदायिक अस्पताल से सुनवई तिराहे तक निकाला गया। इसके बाद गणेश महाविद्यालय परिसर में सभा हुई। सबसे पहले मंत्री रामनिवास रावत और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सभा को संबोधित किया। इसके बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं।रथ पर सवार होकर सीएम डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी. डी. शर्मा

भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत का नामांकन दाखिल कराने पहुंचे।

मंत्री रावत ने कहा- कांग्रेस से भाजपा में मेरी घर वापसी- भाजपा प्रत्याशी राम निवास रावत ने कहा कि मैं स्टूडेंट लाइफ से ही बीजेपी से जुड़ा रहा। किसी वजह से मैं कांग्रेस में चला गया। मेरी घर वापसी हुई है। मैं किसी शर्त या किसी कॉन्ट्रैक्ट के तहत नहीं आया। न ही मैंने मंत्री बनाने के लिए कहा। मैं सिर्फ जनता के विकास के लिए यहां आया हूं। मुझसे अगर कह दिया जाए कि चुनाव मत लड़ो, घर बैठ जाओ तो विजयपुर का विकास होते रहेगा।

रोड शो सामुदायिक अस्पताल से सुनवई तिराहे तक निकाला गया। इसके बाद रैली हुई। इसमें भाजपा प्रत्याशी राम निवास रावत और सीएम डॉ. मोहन यादव समेत अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

तोमर ने कहा-कांग्रेस प्रत्याशी टुकड़े-टुकड़े गैंग का सदस्य- विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा को दिल्ली के टुकड़े-टुकड़े गैंग का सदस्य बताया। उन्होंने कहा कि रावत बिना किसी लोभ लालच के पार्टी में आए, यह बात सही है।

रामनिवास रावत मेरे साथ 2 बार लोकसभा चुनाव लड़े। जब रामनिवास रावत कांग्रेस में थे तब हमारी सरकार विकास तो कराती थी। लेकिन विकास का श्रेय हम उन्हें नहीं लेने देते थे, तब उन्हें थोड़ा दुख होता था। वह हमसे क्षेत्र के विकास के लिए बात करते थे। हमने कहा, पंजे को तोड़ दो और कमल के फूल में शामिल हो जाओ। इस क्षेत्र में विकास की आवश्यकता थी, यहां बड़े नेतृत्व की आवश्यकता थी, इसलिए उन्हें मंत्री बनाया गया।

एमपी में चक्रवाती तूफान 'दाना' का असर नहीं

नमी से जबलपुर समेत 4 संभागों में हल्की बारिश संभव ; भोपाल-इंदौर में धूप खिली

भोपाल (नप्र)। अंडमान सागर से उठे चक्रवाती तूफान 'दाना' की वजह से कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि, मध्यप्रदेश में इसका असर नहीं रहेगा। नमी की वजह से राज्य के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, शहडोल, सागर और रीवा संभाग में हल्की बारिश जरूर हो सकती है। दूसरी ओर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन में तेज धूप खिली रहेगी। पचमढ़ी दिन और रात दोनों समय प्रदेशभर में सबसे ठंडा है।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 10-11 दिन से अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में दो सिस्टम एक्टिव रहे। इसके चलते मध्यप्रदेश के पश्चिमी-दक्षिणी हिस्से में बारिश का दौर बना रहा। खासकर इंदौर, उज्जैन और जबलपुर संभाग के जिलों में बारिश हुई। बुधवार को बारिश का सिलसिला थम गया लेकिन कई जिलों में दिन का तापमान गिर गया है। रातें भी ठंडी हो गई है।

अगले 24 घंटे में साफ रहेगा मौसम- मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में अगले 24 घंटे में बारिश होने का अनुमान नहीं है। ऐसे में ज्यादातर शहरों में तेज धूप खिली रहेगी।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने कहा- 'दाना' तूफान का एमपी में असर नहीं रहेगा। वातावरण में नमी बढ़ने के साथ ही अभी दिन का तापमान कुछ दिनों से सामान्य से अधिक है। जब तापमान ज्यादा रहता है और नमी ज्यादा होती है तो धुंध छा जाती है। मानसून की रवानगी के बाद मौसम भी बदलता है। सामान्यतः ऐसा ही होता है लेकिन इस बार दो स्थितियां अलग हैं।

बारिश के बीच ठंड की दस्तक- मध्यप्रदेश में बारिश के बीच ठंड की दस्तक भी हो गई है। ज्यादातर शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से कम है। इनमें भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, खंडवा, पचमढ़ी, रायसेन, राजगढ़, छिंदवाड़ा, बैतूल, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, नौगांव, रीवा, सतना, टीकमगढ़, उमरिया और मलाजखंड शामिल हैं। पचमढ़ी में रात का तापमान सबसे कम 14.4 डिग्री और मंडला में 15.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। भोपाल, इंदौर में मंगलवार-बुधवार की रात सीजन की सबसे ठंडी रात रही थी। हालांकि, दिन में कई शहरों में गर्मी का असर भी देखने को मिल रहा है। बुधवार को दमोह, खजुराहो में पारा 35 डिग्री के पार रहा। वहीं, पचमढ़ी में यह सबसे कम 27.4 डिग्री और मलाजखंड में 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तूफान का इन राज्यों में असर- मौसम विभाग ने दाना के बंगाल की खाड़ी में गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका जताई है। ये अगले 24 घंटे में कभी भी ओडिशा के पुरी जिले और पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में सागर नाम के टापू से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है। इसका असर ओडिशा, पश्चिमी बंगाल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु-पुडुचेरी में भी होगा।